http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 78

प्रयागराज बुधवार 04 दिसम्बर 2024

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रूपया

विश्व दिव्यांग दिवसः सीएम योगी ने मेधावी छात्र–छात्राओं को किया सम्मानित

● वितरित किए राज्य स्तरीय पुरस्कार

लखनऊ,(एजेंसी)। विश्व दिव्यांग दिवस पर सीएम योगी ने मेधावी छात्र–छात्राओं को सम्मानित किया। साथ ही राज्य स्तरीय पुरस्कार वितरित किए। राजधानी लखनऊ में मंगलवार को विश्व दिव्यांग दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी हिस्सा लिया। इस मौके पर उन्होंने राज्य स्तरीय पुरस्कार वितरित किए। साथ ही मेधावी छात्र–छात्राओं को सम्मानित किया। इस मौके पर सीएम ने कहा कि राष्ट्रीय अधिवक्ता दिवस भी है। देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद की जयंती भी है। वह स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भी थे, देश की संविधान सभा के अध्यक्ष भी थे। कई महापुरुषों का दिया उदाहरण कहा कि दिव्यंगता एक शारीरिक कम मानसिक स्थिति मानी जाती है। उन्होंने ऋषि अष्टावक्र और सूरदास को याद करते हुए कहा कि उनके बिना श्री कृष्ण कथा पूरी हो सकती है क्या? दुनिया को फिजिक्स की नई थ्योरी देने वाले वैज्ञानिक को याद कीजिए। याद कीजिए स्वामी रामभद्राचार्य जी को। कहा कि ऐसे अनेक उदाहरण हमारे सामने हैं, जिन्हें मंच मिला, समाज का थोड़ा प्रोत्साहन और संबल मिला तो उन्होंने अपनी प्रतिभा का लाभ मानवता देश को दिया है। यह साबित किया कि हम किसी से कम नहीं हैं। यह हमारा सौभाग्य है कि आज राज्य के अंदर दो–दो दिव्यांग विश्वविद्यालय हैं। कॉलेज की संख्या और बढ़ाई जानी चाहिए उनके लिए कॉलेज अलग से संचालित है। लेकिन, मेरा मानना है कि इन कॉलेज की संख्या और बढ़ाई जानी चाहिए। इसमें पढ़ाने वाले शिक्षकों को अधिक सुविधाएं और मानदेय मिलना चाहिए। आज 21 शिक्षकों को राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। 46 विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया है। सम्मानित होने वाले छात्रों ने 90–95 फीसदी तक अंक प्राप्त किए हैं। उन्होंने कुछ नया किया है। सीएम ने कहा कि दिव्यांग बच्चों द्वारा पेश मधुर गीत में अद्भुत मिठास थी।

'तारीख पर तारीख के दिन खत्म'

● आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई मजबूत होगीय भ्रष्टाचार में कार्रवाई की कानूनी अड़चन दूर होगी

● अंग्रेजी कानून का मकसद भारतीयों को गुलाम रखना, नए आपराधिक कानूनों के समीक्षा समारोह में बोले पीएम मोदी

> भारत के सुप्रीम कोर्ट ने लगभग दो दर्जन बार कहा है कि इस देश में UCC लाओ।
>
> पीएम मोदी

चंडीगढ़,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चंडीगढ़ पहुंच गए हैं। सेक्टर–12 स्थित पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज (पेक) में आयोजित समारोह में प्रधानमंत्री तीन नए कानूनों की समीक्षा कर रहे हैं। पीएम मोदी का संबोधन शुरू हो चुका है। पीएम मोदी ने नए कानूनों को लेकर क्या कहा। आइए, क्रमानुसार जानते हैं। श्हर कानून को व्यावहारिक दृष्टिकोण से जांचा गयाश प्रधानमंत्री ने कहा, आजादी के बाद से पिछले 7 दशकों में, भारतीय न्याय प्रणाली को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। गहन विचार–विमर्श के बाद भारतीय न्याय संहिता का निर्माण किया गया है। प्रत्येक कानून को व्यावहारिक दृष्टिकोण से जांचा गया है और भविष्य के मापदंडों के आधार पर परिष्कृत किया गया है। मैं इस उपलब्धि के लिए सर्वोच्च न्यायालय, माननीय न्यायाधीशों और देश के सभी उच्च न्यायालयों का विशेष आभार व्यक्त करता हूं। श्अंग्रेजी कानून का मकसद भारतीयों को गुलाम रखनाश पीएम मोदी ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि1857 में देश का पहला बड़ा स्वधीनता संग्राम लड़ा गया। उस 1857 के स्वतंत्रता संग्राम ने अंग्रेजी हुकूमत की जड़ें हिला दी थीं, तब जाकर 1860 में अंग्रेज इंडियन पीनल कोड यानी आईपीसी लाए। उसके कुछ साल घ्बाद, इंडियन पीनल एक्ट लाया गया यानी सीआरपीसी का पहला ढांचा अस्तित्व में आया। इस कानूनों की सोच व मकसद यही था कि भारतीयों को दंड दिया जाए, उन्हें गुलाम रखा जाए। दुर्भाग्य देखिए, आजादी के बाद दशकों तक हमारे कानून उसी दंड संहिता और पीनल माइंड सेट के इर्द गिर्द ही मंडराते रहे, जिसका इस्तेमाल नागरिकों को गुलाम मानकर होता रहा। श्सदियों की गुलामी के बाद देश आजाद हुआश पीएम मोदी ने कहा कि सन् 1947 में, सदियों की गुलामी के बाद जब हमारा देश आजाद हुआ, पीढ़ियों के इंतजार के बाद, लोगों के बलिदानों के बाद, जब आजादी की सुबह आई, तब कैसे–कैसे सपने थे, देश में कैसा उत्साह था। देशवासियों ने सोचा था कि अंग्रेज गए हैं, तो अंग्रेजी कानूनों से भी मुक्ति मिलेगी। अंग्रेजों के अत्याचार के, उनके शोषण का जरिया ये कानून ही तो थे। ये कानून ही तब बनाए गए थे, जब अंग्रेजी सत्ता भारत पर अपना शिकंजा बनाए रखने के लिए कुछ भी करने को तैयार थी। पीएम मोदी का संबोधन शुरू प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने संबोधन के दौरान कहां की भारतीय न्याय संहिता अपने आप में एक समग्र दस्तावेज है और इसको बनाने की प्रक्रिया भी उतनी ही व्यापक है।

राहुल ने चक्रवात फेंगल से उपजी त्रासदी पर जताया शोक

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने तमिलनाडु में चक्रवाती तूफान के कारण लोगों को हुई जान–माल की हानि पर गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए पार्टी कार्यकर्ताओं से राहत और बचाव में प्रशासन की मदद करने का आग्रह किया है। श्री गांधी ने यहां जारी एक बयान में कहा, "तमिलनाडु में चक्रवात फेंगल की विनाशकारी खबर। इस त्रासदी के दौरान अपने प्रियजनों को खोने वालों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना। मेरी संवेदनाएँ उन लोगों के साथ भी हैं जिनके घर और संपत्ति को नुकसान पहुँचा है।" उन्होंने कहा, "मैं राज्य के सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं से आग्रह करता हूँ कि वे आगे आएँ और जहाँ भी संभव हो, राहत और बचाव के प्रयास में प्रशासन की मदद करें।"

अदाणी मुद्दे पर इण्डिया गठबंधन में दरार!

● कांग्रेस के प्रदर्शन से नदारद दिखी समाजवादी पार्टी–तृणमूल कांग्रेस

● सरकार की नीतियों के खिलाफ विरोध कर रहेः थरूर

● विपक्ष के प्रदर्शन पर भाजपा ने साधा निशाना

नई दिल्ली,(एजेंसी)। संसद के शीतकालीन सत्र के सातवें दिन अदाणी मामले पर विपक्ष ने लोकसभा से वॉकआउट किया। उसके बाद संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन करने लगे। इस प्रदर्शन में इससे समाजवादी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस नजर नहीं आई। संसद के शीतकालीन सत्र के सातवें दिन मंगलवार को भी हंगामा जारी रहा। दरअसल, अदाणी मामले पर विपक्ष ने लोकसभा से वॉकआउट किया। उसके बाद संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन करने लगे। विपक्षी दलों के सांसदों के हाथ में श्मोदी–अदाणी एक हैंश और श्भारत अदाणी के खिलाफ जवाबदेही की मांग करता हैश, लिखी तख्तियां दिख रही थीं। इस प्रदर्शन में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, सांसद प्रियंका गांधी शामिल हुए। हालांकि, इससे समाजवादी पार्टी (एसपी) और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने दूरी बना ली है। ऐसे में सरकार के खिलाफ विपक्ष बिखरता नजर आया। इस दूरी ने एक बार फिर इंडिया गठबंधन में आई दरार को सामने ला दिया। सरकार की नीतियों के खिलाफ विरोध कर रहेरू थरूर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि हम मोदी सरकार की नीतियों के खिलाफ विरोध कर रहे हैं। हम सदन के अंदर प्रदर्शन नहीं कर सकते इसलिए हमने संसद परिसर में विरोध किया है। टीएमसी के न शामिल होने पर कहा उन्होंने, श्हमारे बीच अबतक और मामलों में सही समन्वय चल रहा है। उनको पता है बंगाल में हम लोग एक साथ नहीं है। इसलिए शायद वह इस विषय पर भी अलग हैं। संसद में किस विषय पर बात होगी यह सरकार तय करेगी। मगर विपक्ष और कोई रास्ता निकाल लेगा अपने विषयों पर बात करने का।श विपक्षी पार्टियों में क्यों है मतभेद? 25 नवंबर से शुरू हुए संसद के शीतकालीन सत्र में लगातार गतिरोध बना हुआ है। कांग्रेस पार्टी का पूरा फोकस अदाणी मामले को लेकर है, लेकिन समाजवादी पार्टी संभल हिंसा पर चर्चा की मांग कर रही है। इससे पहले सोमवार को संसद की कार्यवाही से पहले इंडिया ब्लॉक के नेताओं की मुलाकात राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे से हुई थी, जिसमें राहुल गांधी तो शामिल हुए थे, लेकिन टीएमसी का कोई सांसद नहीं पहुंचा था। क्या चाहती है टीएमसी? दरअसल तृणमूल कांग्रेस चाहती है कि सदन में महंगाई, बेरोजगारी, किसान, उर्वरक, विपक्षी राज्यों को मिलने वाले पैसे में कटौती और मणिपुर जैसे मुद्दों को लेकर चर्चा हो। वहीं कांग्रेस चाहती है कि अदाणी मुद्दे पर ही चर्चा हो। कांग्रेस के रूख से सपा भी किनारा करती दिख रही है।

कश्मीर में मुठभेड़ में एक आतंकवादी ढेर

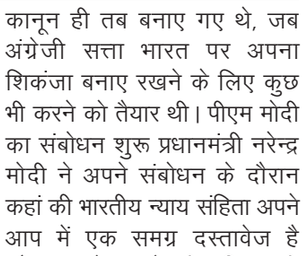

श्रीनगर,(एजेंसी)। जम्मू–कश्मीर में सुरक्षा बलों ने श्रीनगर के बाहरी इलाके में दाचीगाम जंगल के ऊपरी इलाकों में चल रही मुठभेड़ में एक अज्ञात आतंकवादी को मार गिराया। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ सोमवार शाम तब शुरू हुई जब पुलिस और सेना की संयुक्त टीमों ने इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में एक विशेष खुफिया जानकारी मिलने के बाद दाचीगाम जंगल के ऊपरी इलाकों में घेराबंदी और तलाश अभियान शुरू किया। इसी दौरान छिपे हुए आतंकवादियों से संपर्क स्थापित हुआ और मुठभेड़ शुरू हो गई। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, "अब तक मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया है। अभियान अब भी जारी है।" अब तक यह पता नहीं चल सका है कि मारा गया आतंकवादी किस संगठन से ताल्लुक रखता था। इससे पहले मंगलवार को सेना की श्रीनगर स्थित चिनार कोर ने कहा था कि जंगल क्षेत्र में अभियान जारी है। सेना ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "02 दिसंबर 2024 को, विशेष खुफिया जानकारी के आधार पर भारतीय सेना और जम्मू–कश्मीर पुलिस ने श्रीनगर के दाचीगाम वन के ऊपरी इलाकों में एक संयुक्त अभियान शुरू किया। तलाशी के दौरान प्रारंभिक संपर्क स्थापित किया गया था। अभियान अब भी जारी है।" यह तीन सप्ताह से भी कम समय में श्रीनगर के बाहरी इलाके में दूसरी गोलीबारी है। दाचीगाम वन क्षेत्र में 10 नवंबर को एक संक्षिप्त गोलीबारी हुई।

विदेश मंत्री ने बताए एलओसी के हालात

● एलएसी पर शांति बहाली के बाद सीमा विवाद सुलझाने पर जोर, जयशंकर ने लोकसभा में दी जानकारी

नई दिल्ली,(एजेंसी)। लोकसभा में विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने भारत–चीन सीमा विवाद पर जानकारी देते हुए कहा कि, एलएसी पर हालात सामान्य है। फिलहाल शांति बहाली की कोशिश जारी है। विदेश मंत्री ने आगे कहा कि, सीमा पर हालात सुधारने के लिए दोनों देश प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने बताया कि, कोई भी पक्ष स्थिति से छेड़छाड़ नहीं करेगा और सहमति से ही सभी मसलों का समाधान किया जाएगा। चीन से बातचीत के बारे में जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि, सीमा पर हालात सामान्य होने के बाद ही चीन से बातचीत की गई है। एलएसी पर बहाली के लिए सेना को श्रेय– विदेश मंत्री विदेश मंत्री ने कहा कि, एलएसी पर बहाली का पूरा श्रेय सेना को जाता है। उन्होंने आगे कहा कि, कूटनीतिक पहल से सीमा पर हालात सामान्य हुए हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत और चीन के बीच सहमति बनी है कि यथास्थिति में एकतरफा बदलाव नहीं किया जाएगा और साथ ही दोनों देशों के बीच पुराने समझौतों का पालन किया जाएगा। सीमा पर शांति के बिना भारत–चीन के संबंध सामान्य नहीं रह सकते। श्सीमा मुद्दे को सुलझाने के लिए दशकों तक बातचीतश लोकसभा में विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा, मैं सदन को भारत–चीन सीमा क्षेत्रों में हाल के कुछ घटनाक्रमों और हमारे समग्र द्विपक्षीय संबंधों पर उनके प्रभावों से अवगत कराना चाहता हूं। सदन को पता है कि 2020 से हमारे संबंध असामान्य रहे हैं, जब चीनी कार्रवाइयों के बाद सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और सौहार्द भंग हुआ था। हाल के घटनाक्रम जो तब से हमारे निरंतर कूटनीतिक जुड़ाव को दर्शाते हैं, ने हमारे संबंधों को कुछ सुधार की दिशा में स्थापित किया है। भारत और चीन ने सीमा मुद्दे को सुलझाने के लिए कई दशकों तक बातचीत की है। सीमा विवाद के समाधान के लिए निष्पक्ष, उचित और पारस्परिक रूप से स्वीकार्य रूपरेखा पर पहुंचने के लिए द्विपक्षीय चर्चा की गई। सदस्यों को याद होगा कि अप्रैल–मई 2020 में पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर चीन की तरफ से बड़ी संख्या में सैनिकों को एकत्र करने के बाद कई बिंदुओं पर हमारी सेनाओं के साथ आमना–सामना हुआ। इस स्थिति के कारण गश्ती गतिविधियों में भी बाधा पैदा हुई। यह हमारे सशस्त्र बलों के लिए श्रेय की बात है कि रसद संबंधी चुनौतियों और तत्कालीन कोविड स्थिति के बावजूद, वे तेजी से और प्रभावी ढंग से जवाबी तैनाती करने में सक्षम थे।

विवादित जगह से हटीं दोनों देशों की सेनाएं बता दें कि बीते 21 अक्तूबर को भारत और चीन की सेनाओं ने विवादित पूर्वी लद्दाख के देपसांग और डेमचोक क्षेत्रों से अपने–अपने सामान समेटने शुरू किए थे।

पुलिस ने 10 हजार के इनामी कमांडर सहित तीन नक्सलियों को किया गिरफ्तार

बीजापुर,(एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के थाना मिरतुर एवं नेलसनार की अलग–अलग कार्रवाई में 10 हजार के ईनामी नक्सली

जनताना सरकार सदस्य एवं सीएनएम कमांडर सहित तीन नक्सली को पुलिस ने गिरफ्तार कर अदालत के समक्ष पेश किया गया। पुलिस के अनुसार, जिले में माओवादियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत एक दिसंबर को थाना मिरतुर एवं 15ध्ई कंपनी छसबल चेरली की संयुक्त टीम साप्ताहिक बाजार प्रबंध पिनकोण्डा, एरिया डॉमिनेशन पर निकली थी और वापस लौटते समय पाटलीगुड़ा पुलिया के पास उन्हें दो संदिग्ध व्यक्ति दिखे जो पुलिस को देखकर भागने का प्रयास कर रहे थे। उन्हें पकड़ लिया गया और जांच में, उनके पास से पांच किग्रा का टिफिन बम, कार्डेक्स वायर बरामद किया गया। पुलिस ने मौके पर ही विस्फोटक के साथ दो माओवादी जन मिलिशिया सदस्य सुरेश कारम, राजेश माड़वी को गिरफ्तार किया और एक अन्य माओवादी थाना नेलसनार की टीम ने बोदली मरी नदी के किनारे से एक नक्सली जनताना सरकार सदस्य, सीएनएम कमाण्डर दशरथ हेमला फुलादी कुंजामपारा थाना मिरतुर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार नक्सली 17 अप्रैल 2019 को नगर सैनिक राजूराम गोंदे की हत्या में शामिल था। जिसकी गिरफ्तारी के लिये पुलिस अधीक्षक बीजापुर ने 10 हजार रुपए के ईनाम घोषणा की थी। उनके खिलाफ थाना मिरतुर एवं नेलसनार में वैधानिक कार्रवाई उपरान्त न्यायिक रिमाण्ड पर कल न्यायालय बीजापुर के समक्ष पेश किया गया है।

दलित प्रेरणा स्थल पर किसानों का हंगामा

● नोएडा पहुंचे राकेश टिकैत, फिर लगा लंबा जाम

नई दिल्ली/नोएडा,(एजेंसी)। दिल्ली नोएडा बॉर्डर के पास दलित प्रेरणा स्थल से किसानों को पुलिस ने जबरन हटाया। कई किसान हिरासत में लिए गए। वहीं किसान नोएडा प्राधिकरण में कुछ किसान घुस गए। जिन्हें पुलिस ने बल पूर्वक निकाला। नोएडा में राष्ट्रीय दलित प्रेरणा स्थल पर प्रदर्शन कर रहे किसानों को पुलिस ने हिरासत में लिया। यहां से किसानों को जबरन हटाया जा रहा है। जिसकी वजह से सड़क पर लंबा जाम लग गया है। वहीं किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा है कि वह दो घंटे में नोएडा पहुंच रहे हैं। लुक्सर जेल भेजे गए किसान नोएडा के दलित प्रेरणा स्थल पर धरना दे रहे किसानों को सोमवार को पुलिस ने जबरन हटाकर हिरासत में ले लिया। पुलिस प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेकर ग्रेटर नोएडा की लुक्सर जेल भेज रही है। पांच बसों से किसानों को जेल लाया गया है। किसान विभिन्न मांगों को लेकर यहां अपना धरना जारी रखे हुए थे। बीते सोमवार को महामाया फ्लाइओवर से किसान दिल्ली कूच के लिए निकले थे। जिन्हें पुलिस ने दलित प्रेरणा स्थल पर ही रोक दिया और दिल्ली नहीं जाने दिया। प्रदर्शन और हंगामे के बीच सभी किसान यहीं बैठ गए। जिन्हें अब हटाया जा रहा है। नोएडा प्राधिकरण में घुसे किसान वहीं दूसरी तरफ नोएडा प्राधिकरण में कुछ किसान घुस गए। जिन्हें पुलिस ने बाहर निकाला है। पुलिस एक किसान को पकड़ कर ले गई है। इससे अब किसानों में आक्रोश है। किसानों के प्रदर्शन को देखते हुए दिल्ली पुलिस रही अलर्ट नोएडा की सड़कों पर किसानों के उतरने से दिल्ली के सीमावर्ती इलाकों में जाम लग गया। किसानों के प्रदर्शन को देखते हुए दिल्ली पुलिस अलर्ट रही। सोमवार सुबह से ही नोएडा से लगी सभी सीमाओं पर चौकसी बढ़ा दी गई थी। इस दौरान बगैर जांच के वाहनों की आवाजाही मुमकिन नहीं थी। नतीजतन नोएडा लिंक रोड, डीएनडी, कालिंदी कुंज बॉर्डर जाम रहे। सड़कों पर फंसे वाहन चालकों का पसीना छूटा। सप्ताह के के पहले कार्य दिवस पर लोगों को दफ्तर पहुंचने में लेटलतीफी का सामना करना पड़ा। इससे पहले किसानों के दिल्ली कूच को देखते हुए गौतम बुद्ध नगर, नोएडा से दिल्ली को जोड़ने वाली सभी सीमाओं पर बैरियर लगा दिए गए थे। इससे सीमाओं पर सोमवार सुबह ही जाम लगना शुरू हो गया था। नोएडा लिंक रोड, डीएनडी रूट, कालिंदी बॉर्डर समेत कई मार्गों पर भारी ट्रैफिक जाम देखने को मिला। दिल्ली व यूपी की ट्रैफिक पुलिस ने जाम से बचने के लिए एडवाइजरी जारी करनी पड़ी। यातायात पुलिस अधिकारियों के अनुसार पुलिस ने दिल्ली आने वाले कुछ रास्तों को बंद करके रूट में बदलाव किया गया।

दिशानिर्देश'

अनुपालन व्यवस्था की विस्तृत प्रक्रिया बताती है कि कार्बन बाजार प्रणाली कैसे काम करती है। यह कंपनियों को दिखाता है कि वे अपने उत्सर्जन स्तर की कैसे निगरानी और रिपोर्ट कर सकते हैं और यदि वे अपने उत्सर्जन–कटौती लक्ष्यों को पूरा करते हैं या पूरा करते हैं तो वे कार्बन क्रेडिट कैसे अर्जित कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, यदि कोई सीमेंट कंपनी अपने उत्सर्जन को आवश्यकता से अधिक कम कर देती है, तो वह अतिरिक्त कार्बन क्रेडिट अर्जित कर सकती है। ये क्रेडिट उन बिंदुओं की तरह हैं जिन्हें कंपनी किसी अन्य व्यवसाय, संभवतरू इस्पात कारखाने को बेच सकती है, जिसके लिए उत्सर्जन कम करना कठिन हो रहा है। इस तरह, जिन व्यवसायों को उत्सर्जन में कटौती के लिए अधिक समय की आवश्यकता है, वे अब भी बेहतर प्रदर्शन करने वालों से क्रेडिट खरीदकर अपने लक्ष्यों को पूरा कर सकते हैं।

अनुपालन व्यवस्था की यह विस्तृत प्रक्रिया, अनुपालन प्रक्रिया के लिए कैसे काम करेगी, इसके लिए एक स्पष्ट रूपरेखा प्रदान करने के लिए तैयार की गई है। यह दस्तावेज उन सिद्धांतों, प्रक्रियाओं और समय–सीमाओं की रूपरेखा तैयार करता है जिनका हितधारकों को अपने उत्सर्जन कटौती दायित्वों को पूरा करने के लिए पालन करना चाहिए। इसमें यह मार्गदर्शन शामिल है कि संस्थाओं को अपने ग्रीन हाउस गैस (जीएचजी) उत्सर्जन की निगरानी, ??रिपोर्ट और सत्यापन कैसे करना चाहिए, यह सुनिश्चित करते हुए कि प्रणाली पारदर्शी और जवाबदेह है।

दूसरा दिशानिर्देश, जिसे प्रत्यायन प्रक्रिया कहा जाता है, यह सुनिश्चित करता है कि उत्सर्जन में कटौती वास्तविक है या नहीं, और इसकी जांच करने वाली कंपनियां भरोसेमंद और सक्षम हैं। यह सत्यापित करने के लिए कि क्या व्यवसाय ईमानदारी से अपने उत्सर्जन स्तर की रिपोर्ट कर रहे हैं, इसके लिए मान्यता प्राप्त कार्बन सत्यापन एजेंसियां ??(एसीवी) तीसरे पक्ष के संगठन होंगे। उदाहरण के लिए, यदि कोई उद्योग अधिक ऊर्जा दक्ष प्रौद्योगिकी या नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग करके उत्सर्जन को कम करने का दावा करता है, तो एसीवी किसी भी कार्बन क्रेडिट देने से पहले संख्याओं की दोबारा जांच करेगा। यह ऐसे लेखा परीक्षक होने जैसा है जो यह सुनिश्चित करते हैं कि सब कुछ सटीक और निष्पक्ष हो। यह सुनिश्चित करता है कि प्रणाली पारदर्शी है, और हम भरोसा कर सकते हैं कि उत्सर्जन में कटौती वास्तविक है, न कि केवल कागज पर।

यह बेहतर ढंग से समझने के लिए कि यह प्रणाली व्यवहार में कैसी दिख सकती है, आइए कुछ वास्तविक दुनिया के उदाहरणों पर विचार करेंरू भारत में एक बड़ी इस्पात कंपनी को वर्ष के अंत तक अपने कार्बन उत्सर्जन को 10 प्रतिशत तक कम करना होगा। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए, कंपनी अपनी मशीनरी को अधिक ऊर्जा–दक्ष बनाने के लिए अपग्रेड करती है, जिससे उसका कार्बन उत्सर्जन 15 प्रतिशत कम हो जाता है। इन उत्सर्जन की जाँच और सत्यापन मान्यता प्राप्त कार्बन सत्यापन एजेंसियों द्वारा किया जाता है। अतिरिक्त 5 प्रतिशत कटौती से कंपनी को कार्बन क्रेडिट मिलता है जिसे वह सीमेंट निर्माता जैसी किसी अन्य कंपनी को बेच सकती है, जो अपने उत्सर्जन लक्ष्य को पूरा करने के लिए संघर्ष कर रही है। इस तरह, दोनों कंपनियों को लाभ होता है जबकि भारत का समग्र उत्सर्जन कम हो जाता है।

नवीकरणीय ऊर्जा–विकास को बढ़ावा दे रही

प्रल्हाद जोशी

भारत का 2070 तक नेट–जीरो कार्बन उत्सर्जन प्राप्त करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के विस्तार और एकीकरण पर केंद्रित है, जो सतत विकास पथ के प्रति देश की प्रतिबद्धता का एक प्रमुख घटक है। तेजी से बढ़ती आबादी के साथ दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था में से एक के रूप में, भारत कार्बन उत्सर्जन को कम करते हुए बढ़ती ऊर्जा खपत की मांग को पूरा करने की संयुक्त चुनौती का सामना कर रहा है। इन कारकों को संतुलित करने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा सबसे व्यवहार्य समाधान को दर्शाती है।

आत्मनो मोक्षार्थं जगदहिताय च – जो स्वयं की मुक्ति और दुनिया के कल्याण का संकेत देता है। विश्व में सबसे कम प्रति व्यक्ति उत्सर्जन वाले देशों में से एक होने के बावजूद, भारत न केवल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में स्वच्छ ऊर्जा के मुद्दे की वकालत कर रहा है बल्कि अन्य देशों को भी इस मुहिम में शामिल होने के लिए प्रेरित कर रहा है।ग्लासगो में कॉप26 में अपनी घोषणा में जलवायु परिवर्तन से निपटने के भारत के संकल्प पर जोर दिया गया, जहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ष्पंचामृतष् पहल के तहत पांच प्रमुख लक्ष्य निर्धारित किए। उनमें नवीकरणीय ऊर्जा महत्वपूर्ण घटक है।देश ने 2030 तक 500 गीगावॉट गैर–जीवाश्म ईंधन ऊर्जा क्षमता हासिल करने और उसी वर्ष तक अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का 50 प्रतिशत नवीकरणीय ऊर्जा से पूरा करने का संकल्प लिया है जिसमें सौर ऊर्जा का योगदान 58 प्रतिशत और पवन ऊर्जा का योगदान लगभग 20 प्रतिशत है। ये लक्ष्य 2030 तक कार्बन उत्सर्जन को अनुमानित एक अरब टन तक कम करने और अपनी अर्थव्यवस्था की कार्बन तीव्रता में 45 प्रतिशत की कमी करने के भारत के व्यापक उद्देश्य के अनुरूप हैं।

नवीकरणीय ऊर्जा ऐसा क्षेत्र है जहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने पिछले 10 वर्षों में परिवर्तनकारी बदलाव किए हैं। नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र पर प्रधानमंत्री के विशेष ध्यान ने भारत को वैश्विक स्तर पर नवीकरणीय ऊर्जा स्थापित क्षमता में चौथे, पवन स्थापित क्षमता में चौथे और सौर क्षमता में पांचवें स्थान पर लाने में मदद की है। सौर ऊर्जा क्षमता में, भारत 2014 तक केवल 12.5 गीगावॉट तक पहुंच पाया था लेकिन अब लगभग 89 गीगावॉट हासिल रहा है, जो केवल 10 वर्षों में 30 गुना से अधिक हो गई है। यहां तक कि पवन स्थापित क्षमता में भी, 10 वर्षों में 2.2 गुना वृद्धि हुई है जो 21 गीगावॉट से बढ़कर 47 गीगावॉट हो गई है।वहनीयता के मामले में, ग्रिड कनेक्टेड सौर ऊर्जा संयंत्रों के टैरिफ में 76 प्रतिशत की कमी आई है जो 2010–11 के टैरिफ 10.95 रुपये की तुलना में घटकर 2023–24 के दौरान 2.60 रुपये हो गया। प्रधानमंत्री ने आगे बढ़कर नेतृत्व किया है और हमें नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में दिशा दिखाई है, जिससे अब देश को काफी लाभ मिल रहा है।

पिछले 10 वर्षों में, ऊर्जा की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों का विकास एवं क्रियान्वयन मिशन मोड में किया गया है। देश में नवीकरणीय ऊर्जा की स्थापित क्षमता 200 गीगावॉट का लगभग 55 प्रतिशत सौर ऊर्जा से आता है। लगभग 30 प्रतिशत का एक और बड़ा हिस्सा पवन ऊर्जा से आता है।भारत ने सौर मॉड्यूल के घरेलू उत्पादन को बढ़ाने और आयात पर निर्भरता को कम करने के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना जैसे कार्यक्रम भी लागू किए हैं। घरेलू सेल उत्पादन के लिए प्रोत्साहन भारत में हरित विकास के लिए वरदान साबित हुआ है, जिससे इस क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिला है। इसके साथ ही, ग्रीन हाइड्रोजन में ग्रीन हाइड्रोजन ट्रांजिशन (साइट) कार्यक्रम के लिए रणनीतिक उपाय इलेक्ट्रोलाइजर के विनिर्माण और हरित हाइड्रोजन के उत्पादन के लिए प्रोत्साहन प्रदान करते हैं।

भारत की हरित हाइड्रोजन की विकास गाथा प्रेरणादायक है। भारत ने कोविड से निपटने हेतु अपनी स्वयं की वैक्सीन का उत्पादन करके जो हासिल किया, ठीक उसी तरह भारत हरित हाइड्रोजन क्रांति का नेतृत्व कर रहा है। इसका उद्देश्य विश्व में उत्पादन और निर्यात का केंद्र बनना है। यहां भी पीएम मोदी द्वारा उठाए गए कदमों ने ही इस परिवर्तन को संभव बनाया!दरअसल, जब देश में ईवी इंफ्रास्ट्रक्चर को अपनाने की बात आती है तो प्रधानमंत्री भविष्य में ईवी वाहन चार्जिंग के लिए केवल नवीकरणीय स्रोतों का उपयोग करने का मार्ग प्रशस्त करने की बात करते हैं, ताकि जीवाश्म ईंधन ऊर्जा स्रोतों का उपयोग न करना पड़े। पीएम सूर्य घर योजना सौर छतों का उपयोग करने वाले नागरिकों के साथ उनके वाहनों को बिजली उपलब्ध कराने के जरिए भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

भारत जिस पैमाने और गति से नवीकरणीय यात्रा को आगे बढ़ा रहा है वह बेजोड़ है और यह प्रधानमंत्री मोदी के सीधे हस्तक्षेप का परिणाम है। अब, भारत इस क्षेत्र में सिर्फ अन्य देश भर नहीं है, बल्कि हम भी अग्रणी हैं! पिछले 10 साल में नवीकरणीय क्षेत्र में भारत की परिवर्तनकारी यात्रा ने हमें अग्रणी देशों में स्थान दिया है और हमें वैश्विक पहचान दिलाई है ।इसका असर अब महसूस किया जा रहा है और ब्रांड इंडिया बिल्कुल सही धूम मचा रहा है। इसने नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय को 16–18 सितंबर 2024 को गुजरात के गांधीनगर में री–इन्वेस्ट 2024 का आयोजन करने के लिए प्रेरित किया है। इसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करेंगे। री–इन्वेस्ट 2024 का उद्देश्य इस क्षेत्र की सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों से सीखने का आदान–प्रदान करना और 2030 तक स्थापित 500 गीगावॉट स्थापित नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य हासिल करने के लिए नए गठबंधन बनाना है। इसमें जर्मनी, डेनमार्क, ऑस्ट्रेलिया, नॉर्वे और संयुक्त अरब अमीरात भाग लेंगे। इस कार्यक्रम में विभिन्न राज्य सरकारें, बैंक, वित्तीय संस्थान, निवेशक और निजी कंपनियां भी भाग लेंगी जो शपथ–पत्र के रूप में नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र के लिए अपनी योजनाओंध्लक्ष्यों को निर्दिष्ट करते हुए प्रतिबद्धताएं व्यक्त करेंगी।

सरकार नवीकरणीय ऊर्जा खरीद दायित्व और नवीकरणीय उत्पादन दायित्व के माध्यम से नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा दे रही है। ये शासनादेश हरित विकास की दिशा में आगे बढने और दायित्वों के पालन की राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अनुकूल हैं जो व्यक्तिगत संस्थाओं के लिए ऊर्जा परिवर्तन के पथ पर आगे बढना संभव बनाता है।भारत 2030 तक अपनी संचयी विद्युत स्थापित क्षमता का 50 प्रतिशत गैर–जीवाश्म ईंधन–आधारित ऊर्जा संसाधनों से हासिल करना चाहता है। हर साल कम से कम 50 गीगावॉट क्षमता बोली लगाने की योजना है। सरकार ने सौर, पवन, सौर–पवन हाइब्रिड, आरटीसी आरई ऊर्जा, आदि की बोलियां आमंत्रित करने के लिए एसईसीआई, एनटीपीसी लिमिटेड, एनएचपीसी और एसजेवीएन को नवीकरणीय ऊर्जा कार्यान्वयन एजेंसियों (आरईआईए) के रूप में अधिसूचित किया है।

भारत में नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन में जबरदस्त बढ़त के बावजूद, अपने महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को पूरा करने के लिए कुछ मुद्दों पर ध्यान देने की जरूरत है। उदाहरण के लिए, प्रमुख परियोजनाओं के लिए वित्तपोषण, विशेष रूप से विकासशील देशों में रणनीति बनाने की आवश्यकता है। विदेशी वित्तीय संस्थान और जलवायु कोष भारत के नवीकरणीय ऊर्जा परिवर्तन को प्रमुख सहायता प्रदान कर रहे हैं। अनुमान के अनुसार भारत को 2030 तक 500 गीगावॉट के अपने नवीनकरणीय और गैर–जीवाश्म ऊर्जा लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए करीब 30 लाख करोड़ रुपये के निवेश की आवश्यकता होगी । भारत की नवीकरणीय ऊर्जा यात्रा को मजबूत नीति सहायता का समर्थन हासिल है। भारत और फ्रांस द्वारा स्थापित अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) जैसी पहल का उद्देश्य दुनिया भर में, विशेषकर विकासशील देशों में सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देना है।भारत को नवीकरणीय ऊर्जा आधारित अर्थव्यवस्था में परिवर्तन से महत्वपूर्ण सामाजिक आर्थिक लाभ होगा। इसके अलावा, नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएं, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, नौकरियां उपलब्ध और स्थानीय आर्थिक विकास को प्रोत्साहित कर सकती हैं। वायु प्रदूषण के बारे में सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के समाधान के लिए आरई विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, जो कई शहरों में एक समस्या है। स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों की ओर परिवर्तन का परिणाम बेहतर स्वास्थ्य के रूप में सामने आ सकता है।प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने पिछले 10 वर्ष में आर्थिक विकास से कोई समझौता किए बिना नेट–जीरो उत्सर्जन के लक्ष्य की ओर उल्लेखनीय प्रगति की है। हमारी स्थापित नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता आसमान छू रही है और मार्च 2014 में 75.52 गीगावॉट से बढ़कर अब 203 गीगावॉट से अधिक हो गई है। 10 वर्ष में 165 प्रतिशत बढ़ोतरी अभूतपूर्व बात है।यद्यपि चुनौतियां बनी हुई हैं, इसलिए 2070 तक भारत के नेट–जीरो भविष्य के दृष्टिकोण को साकार करने में निरंतर नीति समर्थन, तकनीकी नवाचार और वैश्विक सहयोग महत्वपूर्ण होगा।नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र के सभी संबंधि पक्षों और निवेशकों, राज्य सरकारों और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से आग्रह है कि टिकाऊ भविष्य के उद्देश्य से मिलकर काम करने के लिए इस प्रमुख री–इन्वेस्ट शिखर सम्मेलन में भाग लें ।दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र और तेजी से विकासशील राष्ट्र के रूप में भारत की नवीकरणीय ऊर्जा यात्रा अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए स्थिरता के मार्ग के मॉडल के रूप में काम करेगी।

आज का राशिफल

डॉ बिपिन पाण्डेय
ज्योतिष विभाग
लखनऊ विवि

मेष–आज मन खुश रहेगा व जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी में पदोन्नति के आसार हैं आपको थोड़ा संयम से रहने की आवश्यकता होगी। आपके परिवार का कोई सदस्य आपके लिये मार्गदर्शक बनेगा। थकान महसूस होगी। आराम के लिए समय निकालें।

वृष –आज आपको स्वास्थ्य को लेकर आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता होगी। विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य हासिल करने में थोड़ी अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है लेकिन उन्हें इस कड़ी मेहनत का अपेक्षित परिणाम भी हासिल होगा। दिन की शुरुआत में आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता है।

मिथुन –आज अपने स्वास्थ्य को लेकर ज्यादा चिंता न करें, क्योंकि इससे आपकी बीमारी और बिगड़ सकती है। पैसे कमाने के नए मौके मुनाफा देंगे। आपको पहली नजर में किसी से प्यार हो सकता है। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल–मिलाप आपको व्यस्त रखेगा। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है।

कर्क –दुश्मन की ताकत का अंदाजा लगाए बिना उलझना ठीक नहीं है। जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करें। धर्म–कर्म में आस्था बढ़ेगी। विरोधी परास्त होंगे। महत्वपूर्ण कार्य में विलंब संभव है। लाभ होगा। अपने प्रेमी या जीवनसाथी की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

सिंह –आज पुरानी गलतियों को लेकर भय बना रहेगा। साझेदारी में चल रहा गतिरोध दूर होने के आसार है। आयात–निर्यात के कारोबार में बड़ा लाभ संभव है। समान विचारधारा वाले लोगों के साथ काम करना आसान रहेगा। दूसरों की गलती अपने पर आ सकती है। काम में देरी से लाभ की मात्रा सीमित होगी।

कन्या –आज के दिन आपको सुख–समृद्धि, कार्यक्षेत्र में उन्नति, सुखद सफल यात्राएं, परिवार और जीवन साथी का सहयोग सब मिलने के आसार हैं। विवाहित व्यक्ति अपने जीवनसाथी में पूर्णतया विश्वास जतायें अन्यथा संबंधों में खटास पैदा हो सकती है। आपके कर्मक्षेत्र, आपके सम्मान व आपके नाम पर पडने के आसार हैं।

तुलाःआज भाग्य आपके साथ है। लंबे समय से चले आ रहे प्रेम संबंधों को नया रूप देने के लिए अच्छा मौका है। आज स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहें। अचानक सेहत बिगड़ सकती है और कई जरूरी काम भी रुक सकते हैं। परिवार के लोग आपसे थोड़े नाराज हो सकते हैं।

वृश्चिकः आज आप अकेलापन महसूस कर सकते हैं, इससे बचने के लिए कहीं बाहर जाएं और दोस्तों के साथ कुछ समय बिताएं।आज जिस नए समारोह में आप शिरकत करेंगे, वहाँ से नयी दोस्ती की शुरुआत होगी। आज आपका प्रिय आपके साथ में समय बिताने और तोहफे की उम्मीद कर सकता है।

धनुः आज आपके परिश्रम से किए गए कार्य में सिद्धि होगी। नौकरी में आप का सम्मान बढेगा। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे। और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाकात होगी। आप अपने प्रिय द्वारा कही गयी बातों के प्रति काफी संवेदनशील होंगे। अगर आप सूझ–बूझ से काम लें, तो आज अतिरिक्त धन कमा सकते हैं।

मकरः आज आपके आय के नए स्रोत बनेंगे। आकस्मिक धन के अवसर मिलेंगे। मित्रों और जीवनसंगिनी के सहयोग से राह आसान होगी। आध्यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। दफ्तर का तनाव आपकी सेहत खराब कर सकता है। अपने जज्बात पर काबू रखें। आज आपको अपने प्रिय की याद सताएगी।

कुंभः आज आप करिअर से जुड़े फैसले खुद करें, बाद में इसका लाभ आपको मिलेगा। सहकर्मियों और कनिष्ठों के चलते चिंता और तनाव के क्षणों का सामना करना पड़ सकता है। माता–पिता की मदद से आप आर्थिक तंगी से बाहर निकलने में कामयाब रहेंगे। आज दोस्तों के साथ बाहर घूमना आपके मन को खुशी देगा।

मीनः आज भाग्य पर निर्भर न रहें और अपनी सेहत को सुधारने की कोशिश करें। आप उन लोगों की तरफ वादे का हाथ बढ़ाएंगे, जो आपसे मदद की गुहार करेंगे। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है।

कौन करवाता है योजनाबद्ध धर्मांतरण

आर.के. सिन्हा

भारत के प्रत्येक नागरिक को किसी धर्म को मानने या ना मानने या फिर किसी भी धर्म से जुड़ने का अधिकार संविधान देता है, पर किसी प्रलोभन या गलतफहमी में योजनाबद्ध रूप से किसी तरह के धर्मांतरण को अपराध माना गया है ।

इस आलोक में उत्तर प्रदेश की एक विशेष अदालत द्वारा हाल ही में अवैध धर्म परिवर्तन के मामले में दोषी करार दिये गये 12 लोगों को उम्रकैद और चार अन्य दोषियों को 10–10 वर्ष कैद की सजा सुनाना महत्वपूर्ण है। अदालत ने सभी आरोपियों को दोषी करार दिया। अदालत की तरफ से जारी आदेश के मुताबिक, धर्मांतरण करवाने के धंधे से जुड़े शातिर लोगों को भारतीय दंड संहिता की धारा 121 ए (राष्ट्रद्रोह) के तहत सजा सुनायी गई। विशेष लोक अभियोजक एमके सिंह के मुताबिक, उमर गौतम और मामले के अन्य अभियुक्त एक साजिश के तहत धार्मिक उन्माद, वैमनस्य और नफरत फैलाकर देशभर में अवैध धर्मांतरण का गिरोह चला रहे थे। उनके तार कई दूसरे देशों से भी जुड़े थे। इसके लिए आरोपी हवाला के जरिए विदेशों से धन भेजे जाने के मामले में भी लिप्त थे। वे आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं और दिव्यांगों को लालच देकर और उन पर अनुचित दबाव बनाकर बड़े पैमाने पर उनका धर्म परिवर्तन करा रहे थे।

उमर गौतम को मुफ्ती काजी जहांगीर आलम कासमी के साथ 20 जून 2021 को दिल्ली के जामिया नगर से गिरफ्तार किया गया था। वह एक ऐसे अवैध संगठन का संचालन कर रहा था जो उत्तर प्रदेश में मूक– बधिर छात्रों और गरीब लोगों को इस्लाम में धर्मांतरित कराने में शामिल था । इस बात की पुरजोर आशंका जताई जा रही है कि इसके लिए उसे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से धन मिलता था। उमर गौतम पहले हिंदू था । लेकिन , उसने मुस्लिम धर्म स्वीकार कर लिया और धर्मांतरण कराने के अवैध धंधे में सक्रिय हो गया। उसने करीब एक हजार गैर मुस्लिम लोगों को इस्लाम में धर्मांतरित कराया और उनकी मुस्लिमों से दूसरी या तीसरी शादी कराई है।

देखिए, भारत में धर्म परिवर्तन को लेकर बहस तो होती रही है , होनी भी चाहिये। भारतीय संविधान धार्मिक स्वतंत्रता की गारंटी देता है, जिसमें स्वेक्षा या स्वविवेक से धर्म बदलने का अधिकार भी शामिल है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 25 और 26 में धार्मिक स्वतंत्रता और धर्म बदलने के अधिकार की बात तो कही गई है। पर उमर गौतम और उनके साथी तो गरीब–गुरुबा लोगों को लालच और जोर–जबरदस्ती से धर्मांतरण करवा रहे थे। गौतम और उनका गिरोह भूल गया था कि धर्म परिवर्तन सामाजिक एकता को कमजोर कर सकता है और समाज में भयंकर नफरत पैदा कर सकता है। भारत में धर्म परिवर्तन एक संवेदनशील मुद्दा है , जिसमें कानूनी, धार्मिक और सामाजिक सभी पहलू शामिल हैं।

कुछ साल पहले केरल के प्रतिष्ठित फिल्म निर्माता निर्देशक अली अकबर और उनकी ईसाई पत्नी लूसीअम्मा ने आर्य समाज में हवन के जरिए हिन्दू धर्म अंगीकार कर लिया था। आर्य समाज के स्वामी जी द्वारा उनका नया नामकरण भी कर दिया गया है। अली अकबर को नया नाम मिला था राम सिम्हन। हिन्दू धर्म ही क्यों ? यह प्रश्न पूछे जाने पर अली अकबर ने कहा था, श्क्योंकि हिंदू धर्म कोई धर्म नहीं बल्कि एक संस्कृति है। यहां नर्क में जाने का डर नहीं है। आप एक इंसान की तरह जी सकते हैं क्योंकि भगवान आपके अंदर हैं। अपने भीतर ईश्वर को देखना एक महान विचार है।श कहते हैं कि राम सिम्हन केरल में हिंदू धर्म अपनाने वाले पहले मुसलमान थे।लेकिन , यह राम सिम्हन के स्वविवेकेपूर्ण निर्णय को दर्शाता है । इसपर कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिये!

एक बात बहुत साफ है कि किसी को लालच देकर या जोर जबरदस्ती धर्मांतरण करवाना तो कतई सही नहीं माना जा सकता है। समझ नहीं आता कि कुछ धर्मों से जुड़े लोग क्यों इसी फिराक में रहते हैं कि उनके धर्म से अन्य धर्मों को मानने वाले जुड़े जाएं। गुस्ताखी माफ, कई इस्लामिक और ईसाई संगठन इसी कोशिश में रहते हैं कि दूसरे धर्म को माननेवाले उनके मजहब का हिस्सा बन जाएं ? यह कोई बात हुई क्या ? फिर यदि बाकी धर्मों को मानने वाले लोग भी यही करने लगें , तो समाज में भाईचारा कहाँ और कैसे बचा रहेगा ।अगर कोई अपने मन से उस धर्म को त्याग देता है ,, जिसमें उसका जन्म हुआ है तब तो कोई बात नहीं है। उदाहरण के रूप में म्युजिक डायरेक्टर रहमान को ही लेते हैं। उन्होंने खुद ही हिन्दू धर्म को छोड़कर इस्लाम को स्वीकार कर लिया। उनके परिवार के बाकी सदस्यों ने भी इस्लाम अपना लिया। यहां तक तो सब ठीक है। पर कुछ तत्व सुदूर इलाकों में रहने वालों को अपना पाले में लाने की जुगाड़ में रहते हैं। इस सबकी तो हमारा संविधान अनुमति नहीं देता। जब गौतम जैसों पर एक्शन होता है तो कुछ कथित बुद्धजीवी अलाप करने लगते हैं। पिछले कई सालों से पंजाब से खबरें आ रही हैं कि राज्य में दलित सिखों को लालच देकर ईसाई धर्म से जोड़ा जा रहा है।

मेरे संज्ञान में एक एक सच्ची घटना है जो मैं शेयर कर रहा हूँ।। लगभग दस वर्ष पहले मुझे अपने एक स्कूल के खेल शिक्षक के बारे में पता चला कि उसने त्यागपत्र दे दिया है और अगले महीने से हमें एक खेल शिक्षक नियुक्त करना होगा । मैंने उसे बुलाया और पूछा कि तुम्हारी तकलीफ क्या है ? उसने बताया कि मुझे कोई तकलीफ नहीं है । पर आप जितना वेतन मुझे दे रहे हैं, उससे दस या बीस गुना कमाने का जरिया मुझे मिल गया है । मुझे घर मरम्मत के लिये पैसों की सख्त जरूरत थी । मुझे पता चला कि मेरे इलाके में एक नया चर्च बना है उसके पादरी जरूरतमंदों की मदद करते हैं। मैं उनके पास गया । उन्होंने कहा कि मदद करूँगा । लेकिन , तुम्हें हर रविवार चर्च आकर प्रार्थना करनी होगी।मुझे तरीकघ आसान सा लगा । उन्होंने मुझे सपरिवार(पति – पत्नी , मेरी विधवा माँ और दो बच्चों को) ईसाई बनने के लिये बीस हजार प्रति व्यक्ति की दर से एक लाख रुपये दिये ।बाद में पता चला कि मेरे जिस पड़ोसी ने मुझे ईसाई बनने का लालच दिया और पादरी से मिलवाने ले गया उसे भी इतना ही पैसा मिला । तो मुझे लगा कि इस तरह धर्म प्रचार करके तो ज्यादा कमाया जा सकता है तो मैंने इस्तीफा दे दिया ।वह आज भी धड़ल्ले से गाँव – गाँव जाकर देवभूमि उत्तराखंड को ईसाई भूमि बनाने में लगा है । पहले हाफ पैंट और टीशर्ट पहनकर साइकिल से घूमता था । अब सलीकेध के सूट पहनकर चमचमाती कार में घूमता है । ऐसे एक नहीं अनेक धर्म भ्रष्ट लालची लोग आपको हर इलाकेध में मिल जाएँगे ।

यह सवाल अपने आप में बेहद महत्वपूर्ण है कि क्या भारत में धर्म प्रचार की अनुमति जारी रहनी चाहिए? कभी कभी लगता है इस मसले पर देश में बहस हो ही जाए कि क्या भारत में धर्म प्रचार की स्वतंत्रता जारी रहे अथवा नहीं ? देखा जाए तो केवल धर्म पालन की स्वतंत्रता होनी चाहिये। धर्म के प्रचार– प्रसार की छूट की कोई आवश्यकता ही नहीं। धर्म कोई दुकान या व्यापार तो है नहीं जिसका प्रचार प्रसार करना जरूरी हो।

अगर हम इतिहास के पन्नों को खंगाले तो देखते हैं कि भारत के संविधान निर्माताओं ने सभी धार्मिक समुदायों को अपने धर्म के प्रचार की छूट दी थी। क्या इसकी कोई आवश्यकता थी? बेशक, भारत में ईसाई धर्म की तरफ से शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में ठोस और ईमानदारी से काम किया गया है। पर कहने वाले कहते हैं कि उस सेवा की आड़ में धर्मांतरण का ही मुख्य लक्ष्य रहा है। उधर, इस्लाम का प्रचार करने वाले बिना कुछ किए ही धर्मांतरण करवाने के मौके खोजते हैं। हालांकि मुसलमानों की शिक्षण संस्था अंजुमन इस्लाम ने शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय काम किया है। ये मुंबई में सक्रिय है। अब आप देखें कि आर्य समाज, सनातन धर्म और सिखों की तरफ से देश में सैकड़ों स्कूल, कॉलेज, अस्पताल वगैरह चल रहे हैं। पर इन्होंने किसी ईसाई या मुसलमान का धर्मांतरण का कभी प्रयास नहीं किया।

आपको अपने धर्म को मानने की तो अनुमति होनी चाहिए, पर अपने धर्म का प्रचार करने या धर्मांतरण करने की इजाजत तो नहीं दी जा सकती।

यूपी में पाली हाऊस में सब्जियों एवं फूलों की हो रही है खेती

प्रतापगढ़। प्रदेश में वर्तमान में बेमौसम सब्जियों की उपलब्धता बाजारों में हो रही है। इसका कारण है कि सब्जियों को बाँछित तापमान व आवश्यक मौसम देते हुए पॉली हाउस में सब्जियों की फसल बोकर उत्पादन किया जा रहा है। पॉली हाउस एक विशिष्ट आकार की संरचना होती है, जिसको 200–400 माइक्रॉन मोटाई वाली पराबैगनी किरणों से अवरोधी, सफेद रंग की पारदर्शी प्लास्टिक चादर से ढका जाता है। पॉलीहाउस का आकार इतना बड़ा बनाया जाता है कि इसमें आसानी से अंदर जाकर परिकर्षण क्रियायें की जा सकें। पॉलीहाउस का निर्माण जी.आई.पाइप, बांस एवं लकडी की सहायता से किया जाता है। जीआई पाइप द्वारा बनाया गया पॉलीहाउस 20–25 वर्ष तक टिकाऊ होता है, जबकि बांस व लकड़ी से बना पॉलीहाउस 3–4 वर्ष तक ही टिकाऊ रह सकता है। पॉलीथीन 2–3 वर्ष तक काम में लाई जा सकती है। इस प्रकार के पॉलीथीन में पारदर्शिता इतनी होती है कि लगभग 70–80 प्रतिशत सूर्य का प्रकाश मौसम के हिसाब से छनकर फसलों को मिलता है। प्रदेश में उन्नतशील कृषकों द्वारा पॉलीहाउस बनाकर खेती की जा रही है। पॉलीहाउस का उपयोग व्यावसायिक उद्देश्य से किया जाता है क्योंकि यह तकनीकी सामान्य खेती की अपेक्षा थोड़ी महंगी है। सब्जियों व फूलों की खेती में पॉलीहाउस की बड़ी महत्वपूर्ण उपयोगिता है। विपरीत दशाओं (बेमौसम) में सब्जियों व फूलों की खेती करना, फसलों को आवश्यक एवं संरक्षित वातावरण प्रदान करना, फसलों में लगने वाले कीड़े–मकोड़ों व रोगों से सुरक्षा, नर्सरी उगाने के लिये सर्वोत्तम, प्रति इकाई क्षेत्र में उपज वृद्धि व जातियों का विकास एवं शुद्ध संकर बीज उत्पादन, फसल समय में परिवर्तन करना, अच्छे गुणवत्तायुक्त उत्पाद, कृषि फसल परीक्षण महत्वपूर्ण वरदान, शहरी एवं सीमांत किसानों के लिए यह विधि लाभकारी होती है।

पॉलीहाउस की कुछ सीमायें भी हैं जैसे पॉलीहाउस बनवाने में किसानों को पहले पूंजी ज्यादा लगानी पड़ती है, यह केवल व्यावसायिक एवं बागवानी फसलों की दृष्टि से ही उपयोगी है अन्य फसलों को उगाने के लिए पॉलीहाउस विधि का उपयोग नहीं किया जा सकता। पॉलीहाउस में फूलों की व्यावसायिक खेती करके किसान अधिक

से अधिक लाभ प्राप्त कर सकते हैं। प्रदेश में सब्जियों एवं फूलों का कम उत्पादकता का मुख्य कारण खेती का खुले वातावरण में किया जाना तथा कृषकों द्वारा सब्जी उत्पादन में परम्परागत विधियों एवं तकनीकों का अपनाया जाना है। खुले वातावरण में अनेक प्रकार के जीवित व अजीवित कारकों द्वारा फसलों को नुकसान पहुंचाया जाता है। फलस्वरूप उनकी उत्पादकता एवं गुणवत्ता प्रभावित होती है। जीवित कारकों में मुख्य रूप से विभिन्न प्रकार के रोग, अनेक प्रकार के कीड़े, विभिन्न प्रकार के भूजनित व वायुजनित कवक तथा जीवाणु प्रमुख है। ये जीवित कारक अधिकतर वर्षाकालीन मौसम में उगाई जाने वाली फसलों को अधिक नुकसान पहुंचाते है. जबकि अत्यधिक आर्द्रता विभिन्न प्रकार के कवक एवं जीवाणु जनित रोगों के प्रकोप में सहायक होती है। इसी प्रकार प्रकाश की कमी से पौधों में प्रकाश संश्लेषण की प्रक्रिया नहीं हो पाती है. जिसका प्रभाव पौधों की वृद्धि, विकास, उपज एवं गुणवत्ता पर पड़ता है। पॉलीहाउस खेती का मुख्य उदेश्य फसलों को जीवित या अजीवित कारकों से बचाकर प्रतिकूल वातावरण व प्रतिकूल परिस्थितियों में भी गुणवत्तायुक्त अधिक उत्पादन प्राप्त करना है।

पॉलीहाउस खेती विधि सामान्यतः परम्परागत खुले खेत की तुलना में 5 से 10 गुना अधिक उत्पादन प्राप्त होता है। प्रतिकूल वातावरण में गुणवत्तायुक्त फसलों का उगाना, फसलों को लम्बी अवधि तक उगाकर फल/सब्जियों की उपलब्धता को बाजार में निरन्तर बनाये रखा जाना, अधिक लाभ के लिए बे–मौसमी फसल उत्पादन प्राप्त करना, संरक्षित खेती के माध्यम से रोजगार के अधिक अवसर प्राप्त होते है। संरक्षित उत्पादन तकनीक विभिन्न प्रकार की जलवायु वाले क्षेत्रों में विभिन्न फसलों की पैदावार बढाने के लिए उपयोगी है। पॉली हाउस द्वारा फसलों की उन्नत उत्पादन तकनीक मुख्यतः सब्जी व फूलों के उत्पादन हेतु उचित व उपयुक्त संरक्षित प्रौद्योगिकी की आवश्यकता इस क्षेत्र की जलवायु पर निर्भर करती है। इसके अतिरिक्त किसानों की आर्थिक स्थिति टिकाऊ व उच्च बाजार की उपलब्धता तथा बिजली की उपलब्धता आदि कारक भी इसको निर्धारित करते हैं। विभिन्न फसलों के वर्षभर बे–मौसम, स्वस्थ व रोग रहित पौध तैयार करने हेतु मुख्यतः वातावरण अनुकूलित पॉलीहाउस, प्राकृतिक वायु से चलित पॉलीहाउस, कम लागत वाली पॉलीहाउस, वाक–इन–टनल कीट अवरोधी नेट हाउस, लो टनल पॉलीहाउस आदि को आवश्यकतानुसार वर्ष भर उपयोग में लिया जा सकता है। पॉलीहाउस के अन्दर खीरा, शिमला मिर्च और संकर टमाटर सहित अन्य सब्जियों की खेती सफलता पूर्वक की जाती है। फूलों के अन्तर्गत गुलाब, जरवेरा, लीलियम और कार्नेशन आदि की खेती प्रमुखता से की जाती है। पॉलीहाउस के अन्तर्गत फसलों की खेती की विधियाँ अलग–अलग होती हैं। प्रदेश में अधिकतर किसान सब्जियों में संकर टमाटर, शिमला मिर्च आदि की खेती करते है। हर फसलों के उत्पादन की तकनीकें अलग–अलग होती है। प्रदेश में पॉली हाऊस बनाकर सब्जियों, फूले की खेती कर किसान फसल उत्पादन कर रहे हैं। प्रदेश में पॉली हाऊस बनाकर सब्जियों, फूलों की खेती कर किसान अतिरिक्त आय अर्जित कर रहे है।

कार्यों का किया औचक निरीक्षण

सीतापुर। नगर पालिका परिषद लहरपुर द्वारा कराए जा रहे विकास कार्यों का औचक निरीक्षण नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष हाजी जावेद अहमद के द्वारा किया गया इस मौके पर उन्होंने विकास कार्यों की गुणवत्ता की जांच की और लोगों को कराये जा रहे कार्यों पर नजर रखने की अपील की। मंगलवार को चेयरमैन हाजी जावेद अहमद ने नगर से अस्पताल जाने वाले मुख्य मार्ग का बसैया टोला में निरीक्षण किया और कार्य दायी संस्था को मानक के अनुरुप सीमेंट मौरंग गिट्टी आदि डालने व कार्य को समय सीमा के अंदर पूरा करने के लिए निर्देशित किया। इस मौके पर मुख्य रूप से समीर राईन, राजू खान, नफीस खान, अशीष पांडे आदि उपस्थित रहे।

ट्राफी पर मालवीय हाउस का कब्जा

भरवारी, कौशाम्बी। नगर स्थित भवंस मेहता विद्याश्रम में शुक्रवार को आयोजित खेल मैदान पर इंटर हाउस फुटबाल मैच नेहरू हाउस एवं मालवीय के बीच फुटबाल मैच का बहुत ही रोमांचक मुकाबला हुआ।मैच का शुभारम्भ प्रधानाचार्य अनिल कुमार मिश्र ने किया टॉस नेहरू हाउस के कप्तान रमन सिंह ने जीता मैच के 6वें मिनट में ही रमन ने पहला गोल कर अपनी टीम को बढ़त दिला दी उसके तुरंत बाद मालवीय हाउस के कप्तान युवराज केसरवानी 11वें मिनट में गोल कर अपनी टीम को बराबर पर ला दिया। दूसरे हाफ 48वें एवं 65 वें कृष्णानंद द्विवेदी ने लगातार दो गोल कर अपनी टीम को 3–1 से विजय दिला भवंस ट्राफी पर मालवीय हाउस ने कब्जा कर लिया। प्रधानाचार्य ने दोनों टीमों को और अच्छा खेलने का आशीर्वाद देकर जिले,प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर पर खेलने के लिए आशीर्वाद दिया।

बैलेट सिस्टम शुरू करने की मांग वाली जनहित याचिका खारिज की

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन ने बताया है कि सुप्रीम कोर्ट ने इंजीलवादी डॉ. केए पॉल द्वारा दायर एक जनहित याचिका (पीआईएल) खारिज कर दी, जिसमें भारतीय चुनावों में फिजिकल बैलेट पेपर से मतदान फिर से शुरू करने की मांग की गई थी। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति पीबी वराले की पीठ ने मामले की सुनवाई की।

सुनवाई के दौरान डॉ. पॉल ने तर्क दिया कि संयुक्त राज्य अमेरिका सहित अधिकांश देशों ने फिजिकल वोटिंग सिस्टम को चुना है। उन्होने कहा कि अधिकांश देश फिजिकल बैलेट सिस्टम का पालन करते है और भारत को भी इस पर विचार करना चाहिये। न्यायमूर्ति नाथ ने डा0 पाल के सवाल पर हस्तक्षेप करते हुये कहा कि ''हमें अन्य देशों का अनुसरण क्यों करना चाहिये। न्यायमूर्ति नाथ ने दलीलों को खारिज करते हुये कहा कि ''जब राजनीतिक नेता हारते है तो वे दावा करते है कि ईवीएम से छेड़छाड़ की गई है, जब वे जीतते है तो वे कुछ नहीं कहते '' यह अदालत ऐसे काल्पनिक दावों पर विचार नहीं कर सकती''। पीठ ने अंततः निष्कर्ष निकाला कि जनहित याचिका में पर्याप्त योग्यता नहीं है और इसे खारिज करते हुये सुनवाई समाप्त कर दी।

फाइनल मुकाबलों के साथ प्रतियोगिता का समापन

अयोध्या। मकबरा स्थित स्पोर्ट्स स्टेडियम में लोकसभा प्रधानमंत्री खेल प्रतियोगिता का समापन हुआ। 4 सितम्बर से ब्लाक स्तर पर प्रारम्भ हुई प्रतियोगिताओं में विजेता तथा उपविजेता टीमों का फाइनल लोकसभा स्तर पर खेला गया। वॉलीबाल, रस्साकसी, कबड्डी, एथलेटिक्स में दौड़, फुटबाल तथा क्रिकेट की प्रतियोगिताएं आयोजित हुई। प्रधानमंत्री खेल प्रतियोगिता का आयोजन पूर्व सांसद लल्लू सिंह के संयोजन में हुआ।

समापन सत्र के मुख्य अतिथि महापौर गिरीश पति त्रिपाठी ने दीप प्रज्जवलन कर प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबलों को शुरू करवाया। खिलाडियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साह वर्धन किया। इस दौरान विभिन्न विद्यालय की छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। आयोजन समिति के सदस्यों द्वारा महापौर का माल्यार्पण कर तथा रामनामा पहना कर स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि ने विजेता तथा उपविजेता टीम को प्रमाण पत्र तथा ट्राफी देकर सम्मानित किया। लोकसभा स्तर पर खेले गए प्रधानमंत्री खेल प्रतियोगिता के मुकाबलों में वालीबाल प्रतियोगिता में मिल्कीपुर प्रथम तथा दर्शन नगर द्वितीय स्थान पर रहा। रस्साकसी में पूराबाजार प्रथम विजेता तथा पूराबाजार द्वितीय उपविजेता बना। कबड्डी के मैच में मसौधा विजेता तथा सोहावल उपविजेता रहा। फुटबाल की प्रतियोगिता में अलस्टार क्लब ने एक्स आर्मी क्लब को पराजित किया। क्रिकेट प्रतियोगिता में कबीर नगर ने हनुमत नगर को हराया।दौड़ प्रतियोगिताओं में 100 मी. में प्रवीन तिवारी विजेता तथा आदित्य उपाध्याय उपविजेता रहे। 200 मी. में अर्पित सिंह ने धीरेन्द्र सिंह को हराया। 400 मी. में अवनीश यादव ने प्रथम स्तर प्राप्त किया। सोनू यादव दूसरे स्थान पर रहे। 800 मी की प्रतियोगिता में राज लोधी प्रथम तथा राकेश यादव दूसरे स्थान पर रहे। 1500 मी में राकेश यादव विजेता बने। उपविजेता आयुषा यादव रहे। महापौर गिरीश पति त्रिपाठी ने कहा कि खेल का महत्व जीवन के हर क्षेत्र में है। यह न केवल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है, बल्कि एक बेहतर और संतुलित जीवन जीने के लिए आवश्यक गुणों का विकास भी करता है।

उप निर्वचिन के सम्बन्ध में दी जानकारी

प्रतापगढ़। जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत एवं नगरीय निकाय) संजीव रंजन ने कैम्प कार्यालय के सभागार में नगर पालिका परिषद बेल्हा के रिक्त अध्यक्ष पद के उप निर्वाचन के सम्बन्ध में जानकारी देते हुये बताया कि दिनांक 28 नवम्बर से 03 दिसम्बर तक पूर्वान्ह 11 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक नाम निर्देशन पत्रों की प्राप्ति होगी, 04 दिसम्बर को पूर्वान्ह 11 बजे से कार्य की समाप्ति तक नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा की जायेगी, 06 दिसम्बर को पूर्वान्ह 11 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक अभ्यर्थियों की नाम वापसी तथा अपरान्ह 3 बजे से कार्य की समाप्ति तक प्रतीक आवंटन, 17 दिसम्बर को प्रातः 8 बजे से सायं 5 बजे तक मतदान एवं 19 दिसम्बर को प्रातः 8 बजे से कार्य की समाप्ति तक मतगणना होगी।

उन्होने बताया कि नगर पालिका परिषद बेल्हा में कुल 25 वार्ड, 38 मतदान केन्द्र, 110 मतदान स्थल व मतदाताओं की कुल संख्या 111119 है जिसमें पुरूष मतदाता 58459 व महिला मतदाता की संख्या 52660 है। मतदान हेतु कुल 03 जोन व 06 सेक्टर है। नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करने, नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा, अभ्यर्थन वापस लेने, प्रतीक आवंटन की कार्यवाही न्यायालय उप जिलाधिकारी (न्यायिक) तहसील सदर में होगी। पोलिंग पार्टियों को राजकीय इण्टर कालेज प्रतापगढ़ से रवाना किया जायेगा तथा मतपेटी को राजकीय इण्टर कालेज में बनाये गये स्ट्रांग रूम में रखा जायेगा व मतगणना राजकीय इण्टर कालेज प्रतापगढ़ में की जायेगी। नगर पालिका परिषद बेल्हा के उप निर्वाचन हेतु निर्वाचन अधिकारी जितेन्द्र पाल उपजिलाधिकारी (न्यायिक) तहसील सदर तथा सहायक निर्वाचन अधिकारी के रूप में मनीष केसरवानी सहायक अभियन्ता ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग व डा0 अशोक कुमार वर्मा पशु चिकित्साधिकारी कार्यालय मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को बनाया गया है। नगरीय निकाय उप निर्वाचन के दौरान पड़ने वाले सार्वजनिक अवकाश दिवसों पर सभी सम्बन्धित कार्यालय खुले रहेगें और निर्धारित समय सारिणी के अनुसार ही कार्यवाही की जायेगी। नगर पालिका परिषद बेल्हा के अध्यक्ष हेतु पद की आरक्षण श्रेणी अनारक्षित है।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक डा0 अनिल कुमार ने बताया कि नगर पालिका परिषद बेल्हा के रिक्त अध्यक्ष पद के उप निर्वाचन को सकुशल सम्पन्न कराने हेतु कड़े इन्तजाम किये गये है। निर्वाचन में बाधा उत्पन्न कराने वाले अराजक तत्वों को चिन्हित करके कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। मतदान केन्द्रों पर सुरक्षा के कड़े इन्तजाम रहेगें। इस दौरान अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) त्रिभुवन विश्वकर्मा भी उपस्थित रहे।

केपी कॉलेज में वाद–विवाद प्रतियोगिता व पुरस्कार वितरण समपन्न

कौशाम्बी। जयंती सप्ताह के अन्तर्गत आज छठवें दिन मातृ संस्था कायस्थ पाठशाला के तत्वावधान में के.पी. इंटर कॉलेज में अंतर्विद्यालयीय वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । प्रतियोगिता का शुभारम्भ मुख्य अतिथि राज्य ललित कला अकादमी संस्कृति विभाग के सदस्य रवींद्र कुशवाहा एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवं मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण से हुआ । कायस्थ पाठशाला के उपाध्यक्ष वित्त गोपी कृष्ण श्रीवास्तव एवं उपाध्यक्ष शिक्षा योगेन्द्र कुमार विशिष्ट अतिथि थे। कालेज प्रबन्ध समिति के उपाध्यक्ष प्रशासन दिलीप श्रीवास्तव एडवोकेट ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ विवेक सिंह एवं असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ शीलू कच्छप ने निर्णायक की भूमिका का निर्वाह किया। प्रतियोगिता तीन स्तरों में संपन्न हुई। परिणाम इस प्रकार रहा – डिग्री वर्ग में पक्ष में सी एम पी डिग्री कालेज की अक्षिता सिंह तथा सीनियर एवं जूनियर वर्ग में के पी इंटर कालेज के शिवांश एवं अक्षत मिश्रा तथा विपक्ष में डिग्री वर्ग में के पी ट्रेनिंग कालेज की वंदना मौर्य एवं सीनियर वर्ग में पी इंटर कालेज के विष्णु कुमार विजेता रहे।

➤ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा व अध्यक्षता दिलीप श्रीवास्तव ने की

संस्थापक समारोह में 27 सितम्बर से 1 सितम्बर के मध्य सांस्कृतिक, चित्रकला, रंगोली एवं निबन्ध प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 46 छात्र छात्राओं को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित भी किया गया।प्रतियोगिता को संपन्न कराने में प्रवीन चन्द्र, आनन्द प्रकाश, सोमनाथ बरन, सोनी श्रीवास्तव, वैशाली श्रीवास्तव, रवि श्रीवास्तव आदि ने महत्व पूर्ण योगदान दिया।

धन से करें धर्म का काम पाए अपार सुख–आचार्य

सुल्तानपुर। सनातन में धर्म अर्थ काम मोक्ष यही सनातन धर्म के चार पाँव है सतयुग में धर्म इन्हीं चार पांव से चला त्रेता में एक पाँव कम हुआ तो द्वापर में दो पैर हट गए वही कलयुग में मात्र एक पैर के सहारे सनातन धर्म चल रहा है वह है भक्ति। चार वेद सनातन के आधार है जिन पर जीवन चलता है। श्रीमद् भागवत पुराण मानव जीवन में अद्भुत बदलाव का ग्रंथ है इस ग्रंथ में स्वयं नारायण समाहित है। कलयुग में इसके श्रवण मात्र से मानव का जीवन धन्य हो जाता है उक्त बातें पयागीपुर मोहल्ले में चल रही सात दिनों की श्रीमद् भागवत कथा के शुभारंभ में व्यास पीठ पवन देव जी ने कही।

शहर के पयागीपुर स्थित महादेव निवास पर सोमवार से चल रही सात दिवसीय श्रीमद् भागवत की कथा में पधारे अखिल भारतीय धर्म संघ राम राज्य परिषद के मंत्री कथा व्यास पवन देव जी ने मुख्य यजमान धर्मेंद्र मिश्र व सैकड़ो श्रद्धालुओं के साथ कलश यात्रा निकाली। कई मंदिरों के दर्शन करवाते हुए व्यास पीठ पर भागवत जी को स्थापित करवाया। व्यास पीठ से पहले दिन की कथा का आरंभ करते हुए पंचांग पूजन का कार्यक्रम संपन्न हुआ वहीं श्रीमद् भागवत कथा महापुराण के महत्व के विषय में विस्तार से वर्णन किया गया कथा के दूसरे दिन महाराज परीक्षित के दरबार में कलयुग के आगमन और स्थान मांगे जाने पर कलयुग को स्वर्ण में स्थान दिए जाने के बाद महाराज परीक्षित के मुकुट में स्थित स्वर्ण में समाहित होकर शिकार खेलने गए जहां ऋषि को के गले में सर्प डालने के बाद निलेश शराब की कथा का वर्णन किया महाराज परीक्षित के गुरुद्वारा मिले शराब की मुक्ति के लिए भागवत कथा के श्रवण का उपाय सिखाया गया जिसके लिए महाराज सुखदेव का आगमन हुआ महाराज परीक्षित को श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण करते हुए व्यास पीठ पवन देव जी ने 12 अवतार की कथा का वर्णन करते हुए मनु स्मृति के चरित्र का प्रसंग सुनाया यहाँ मुख्य यजमान शशिकांत मिश्रा धर्मेंद्र मिश्रा धीरेंद्र मिश्रा राजीव मिश्रा आशीष मिश्र गौरव मिश्र प्रशांत मिश्रा अनमोल मिश्रा सोमिल मिश्रा समेत सैकड़ो श्रद्धालु मौजूद रहे।

संक्षेप

टक्कर से बालक की मौत

चित्रकूट(आरएनएस)। ई–रिक्शा की टक्कर लगने से एक मासूम बालक गंभीर रूप से घायल हो गया। अस्पताल ले जाते समय रास्ते में उसकी मौत हो गई।ये दुर्घटना शनिवार की देर शाम भरतकूप थाना अंतर्गत भारतपुर गांव में मडफा रोड में हुई। क्षेत्र के खंभरिया निवासी राजू ने बताया कि उसका भतीजा खंभरिया निवासी अभिषेक यादव (5) पुत्र विक्रम यादव अपने ननिहाल में भारतपुर गांव अपने नाना राजा यादव के घर एक माह पहले अपनी मां आरती के साथ गया था। जहां शनिवार को सडक में खड़ा था। इसी दौरान एक ई रिक्शा ने उसको टक्कर मार दिया। परिजन इलाज के लिए अस्पताल ला रहे थे। रास्ते में उसकी मौत हो गई। इस घटना से मृतक की मां आरती का रो–रोकर हाल बेहाल है। मृतक दो भाईयों में सबसे छोटा है। एक भाई अखिलेश है। ई रिक्शा चालक को ग्रामीणों ने पकड कर पुलिस को सुपुर्द कर दिया।

राहुल व अंकित बने जिला महामंत्री

चित्रकूट।(आरएनएस) उप्र उद्योग व्यापार मंडल के जिले के कई पदाधिकारियों ने नये संगठन भारतीय उद्योग व्यापार मंडल से हाथ मिलाया है। जिले में इसकी इकाई का गठन हुआ। जिसमें सुशील गुप्ता उर्फ कक्का को जिलाध्यक्ष बनाया गया। नई जिला कार्यकारिणी का भी गठन कर दिया गया।पुराने कार्यकर्ताओं की उपेक्षा का आरोप लगाकर उप्र उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष को इस्तीफा भेजने वाले पदाधिकारियों की रविवार को शहर के श्याम दरबार में बैठक हुई। जिसमें तय हुआ कि भारतीय उद्योग व्यापार मंडल का गठन किया जाएगा। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व प्रदेश अध्यक्ष अरूण अग्रवाल की मौजूदगी में जिले के सुशील कक्का को जिलाध्यक्ष के अलावा कार्यकारी अध्यक्ष प्रदीप उर्फ गोलू गुप्ता, जिला महामंत्री राहुल गुप्ता, अंकित पहारिया, युवा प्रकोष्ठ का जिलाध्यक्ष मोहित जैन, महिला प्रकोष्ठ की जिलाध्यक्ष ललिता देवी को बनाया गया है। इस मौके पर धर्मचंद्र, रामजी, कृष्ण कुमार, सौरभ गुप्ता, रमन, वीरेंद्र, मयंक, छोटू, जैकी, शुभांशू, अरविंद, मोनू व सुनील आदि मौजूद रहे।

फांसी पर झूल युवक ने दी जान

चित्रकूट(आरएनएस)। अज्ञात कारणों के चलते युवक घर के अंदर फांसी के फंदे में झूल गया। यह घटना शनिवार की रात को हुई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया।बहिलपुरवा थाना अंतर्गत चंद्रामारा गांव में घटना हुई। गांव के अंकित ने बताया कि उसका भाई शिवाकांत (22) पुत्र शिवनरेश अज्ञात कारणों के चलते शनिवार की रात्रि को घर के अंदर फांसी के फंदे पर झूल गया। सुबह जब उसकी मां बेलवती देखा तो इसकी जानकारी हुई। पुलिस को परिजनों ने सूचना दिया। वही गांव में चर्चा है कि मृतक शिवाकांत फांसी के फंदे पर झूलने से पहले मोबाइल में मैसेज व फोटो दी है। जबकि इस मामले में थानाध्यक्ष राम सिंह ने बताया कि गांव के कुछ युवकों ने यह बात कर रहे थे। जब उन्होंने मृतक शिवाकांत के मोबाइल में देखा तो ऐसा कुछ नहीं मिला। शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप दिया। मृतक दो भाईयों में सबे छोटा है। जेसीबी मशीन चलाने का कार्य करता था।

मधुमेह रोग के प्रति किया जागरुक

चित्रकूट(आरएनएस)। मधुमेह रोग की जानकारी देने के लिए धर्मनगरी के परिक्रमा मार्ग में जानकीकुंड अस्पताल के डाक्टरों ने जागरूकता शिविर लगाया। मधुमेह रोग व इससे होने वाली बीमारिया व बचने के लिए जानकारी दी।शिविर में डॉ. अमृता सिंह ने बताया कि मधुमेह रोग जिस व्यक्ति को हो जाता है उसको अन्य बीमारी भी पकड़ लेती है। शरीर कमजोर हो जाता है। ऑखों की रोशनी तक चली जाती है। यदि शरीर में कहीं घाव हो गया तो जल्द भरता नहीं। डॉ. आदिति ने बताया कि मधुमेह रोग से बचने के लिए व्यायाम करना चाहिए। चीनी व चावल की मात्रा खाने पीने में कम होनी चाहिए। इस मौके पर राकेश सिंह, अनिल, रज्जू यादव, कमल विश्वकर्मा, अखिलेश कुमार आदि मौजूद रहे।

संगठन चुनाव को लेकर की चर्चा

चित्रकूट(आरएनएस)। भाजपा के शिवरामपुर मंडल की बैठक लैनाबाबा परिसर में हुई। जिसमें पार्टी के संगठन के चुनाव को लेकर चर्चा की गई।बैठक में मंडल प्रभारी प्रेम वाल्मीकि ने कहा कि बूथ अध्यक्ष, बूथ समितियों व मंडल के चुनाव भाजपा के नियमों के आधार पर होंगे। सभी कार्यकर्ताओं को पार्टी के हित के लिए कार्य करना चाहिए। सामूहिक प्रयास से ही सफलता मिलेगी। इस मौके पर मण्डल अध्यक्ष श्रवण पटेल, रमाकान्त पांडेय, दिव्या त्रिपाठी, दिलीप, धनश्याम पटेल, बृजलाल, सविता, पीएन सिंह, प्रदीप त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

मुस्लिम महिला ने अपने बहनोई पर दर्ज कराया दुष्कर्म का केस

मिल्कीपुर–अयोध्या। पुलिस चौकी देवगांव क्षेत्र की महिला ने अपने बहनोई पर घर में घुसकर जबरन दुष्कर्म व जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दिया। तहरीर के आधार पर पुलिस ने केस दर्ज कर महिला को मेडिकल के लिए भेज दिया है। वहीं आरोपी की गिरफ्तारी के लिए प्रयास कर रही है। मिली जानकारी के मुताबिक कुमारगंज थाना अंतर्गत पुलिस चौकी देवगांव क्षेत्र के एक गांव की मुस्लिम महिला ने पुलिस को तहरीर देते हए बताया है कि मेरे बहनोई में मेरे घर में रात में घुसकर मेरे साथ जबरन दुष्कर्म करने लगे जब मैं इसका विरोध करते हुए गुहार लगाया तो जान से मारने की धमकी देते हुए चले गए। घटना के बाद पीड़िता ने घटना की लिखित शिकायती प्रार्थना पत्र कुमारगंज पुलिस को दिया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में केस दर्ज करते हुए महिला को मेडिकल परीक्षण के लिए सौ शैय्या अस्पताल कुमारगंज में दिया है।

फांसी लगाकर की आत्महत्या

रुदौली–अयोध्या। कोतवाली रुदौली के रामनगर कालोनी में एक किशोरी ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। रुदौली कोतवाली की भेलसर चौकी क्षेत्र के रामनगर कॉलोनी में मवई थाना क्षेत्र के रानेपुर नेवरा निवासी मनोज कुमार यादव परिवार के साथ किराए का मकान लेकर रहते थे। मनोज कुमार यादव के मुताबिक पुत्री प्रिया यादव आदर्श इंटर कॉलेज में दसवीं क्लास में पढ़ाई कर रही थी। पुत्री अस्वस्थ होने के कारण ठीक से पढ़ाई नहीं कर पा रही थी। पिता मनोज ने कहा कि सोमवार की दोपहर को मैंने बेटी प्रिया को एक नया कपड़ा लाकर दिया था जिसे मेरी बेटी बहुत खुश हुई और खुशी–खुशी कपड़ा ले लिया। सोमवार की रात लगभग साढ़े सात बजे अपने कमरे में पंखे के हुक में दुपट्टे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया। भेलसर चौकी प्रभारी मनीष चतुर्वेदी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। उन्होंने बताया कि पिता मनोज कुमार के मुताबिक पुत्री अस्वस्थ होने के कारण डिप्रेशन में रहती थी।

ट्रैक्टर की चपेट में आने से किशोर की मौत

अयोध्या । तारून थाना क्षेत्र के रामपुर भगन में बैंक आफ बदौड़ा के सामने मंगलवार सुबह बाइक व कार के आमने सामने हुई टक्कर के बाद किशोर पर ईंट लदा ट्रैक्टर चढ़ने से घटना स्थल पर ही उसकी मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार तारुन थाना क्षेत्र के ग्राम केशरुवा बुजुर्ग निवासी शिवम निषाद पिपरी की तरफ से रामपुर भगन की तरफ आ रहा था। वह मीतनपुर बैंक ऑफ बड़ौदा के पास पहुंचा तभी रामपुर भगन की तरफ से आ रही कार की उसकी बाइक से भिड़न्त हो गई। टक्कर लगने के बाद किशोर बाइक सहित सड़क पर गिर गया उसी समय रामपुर भगन की तरफ ईंट लेकर जा रहा ट्रैक्टर किशोर पर चढ़ गया, जिससे उसकी घटना स्थल पर मौत हो गई। तारुन पुलिस ने शव का पंचनामा करा कर पोस्मार्टम के लिए भेज दिया। दुर्घटना से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

अग्निवीर ने राष्ट्र की सेवा करने की शपथ ली

वाराणसी। मंगलवार (03 दिसंबर 2024) को पासिंग आउट परेड में 331 अग्निवीरों के बैच ने राष्ट्र की सेवा करने की शपथ ली। परेड की समीक्षा ब्रिगेडियर अनिर्बान दत्ता, सेना मैडल, कमांडेंट 39 गोरखा प्रशिक्षण केंद्र द्वारा की गई। 31 सप्ताह के बेसिक और एडवांस कॉम्बैट ट्रेनिंग के बाद अग्निवीर सामान्य युवाओं से अनुशासित सैनिकों में बदल गए। गोरखा प्रशिक्षण केंद्र युवाओं को मजबूत, मानसिक रूप से चुस्त, सख्त और युद्ध के लिए तैयार सैनिकों में बदलने और उनकी क्षमताओं का निर्माण करने में माहिर हैं। इन सैनिकों को फिर हमारी सीमाओं की सुरक्षा के लिए सक्रिय यूनिटों में तैनात किया जाता है। जनसंपर्क अधिकारी रक्षा प्रयागराज रेंज ग्रुप कैप्टन समीर गंगाखेड़कर ने बताया कि परेड में बड़ी संख्या में पासिंग आउट बैच के माता– पिता और भूतपूर्व सैनिक मौजूद थे। यह वास्तव में सैन्य ड्रिल का एक बेदाग प्रदर्शन था। प्रशिक्षुओं ने अपनी सटीकता और शान से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। जैसे ही दस्तों ने सलामी मंच के सामने हथियार पेश किए, दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से उनका स्वागत किया। आत्मविश्वास से भरी छाती लिए हुए वीर जवानों के मार्च करते हुए शानदार दृश्य को देखकर प्रशिक्षुओं के माता– पिता की आंखों में खुशी के आंसू आ गए।

कक्षा नौ के छात्र की हत्या के मामले में लड़की के पिता समेत तीन गिरफ्तार, भेजे गए जेल

प्रयागराज। उतरांव थाना क्षेत्र के सराय इस्माइल गांव में प्रेम प्रपंच को लेकर कक्षा नौ के छात्र की हत्या के मामले में पुलिस ने लड़की के पिता समेत तीन लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। उतरांव थाना क्षेत्र के सराय इस्माइल गांव में शनिवार को नौवीं के छात्र शैलेश यादव पुत्र अश्विनी यादव की गला दबाकर एवं सिर में फावड़े से सिर मे प्रहार कर उसकी हत्या कर दी गई थी। हत्या का कारण प्रेम प्रसंग बताया जा रहा है इस मामले में उतरांव पुलिस ने हैदर पुत्र मुनव्वर। चांद बाबू पुत्र गुड्डू निवासी चमनगंज झूंसी खूशी पुत्री हैदर निवासी सराय इस्माइल को गिरफ्तार कर मय आला कत्ल के साथ मंगलवार को जेल भेज दिया।

जिले में पांच लाख बिजली बकायेदारों को मिलेगा ओटीएस का लाभ

प्रयागराज। बिजली विभाग एक वर्ष बाद एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) लेकर आया है। 15 दिसंबर से शुरू होने वाली योजना का प्रचार–प्रसार शुरू कर दिया गया है। जिले के पांच लाख बकायेदार इसका लाभ उठा सकते हैं। बिजली विभाग के मुताबिक, प्रयागराज जोन प्रथम में 1,00235, जोन द्वितीय के गंगापार व यमुनापार में 4,00121 बकायेदार हैं। तीन चरणों में चलने वाली इस योजना में प्रथम चरण में पंजीकरण कराने वालों को सौ प्रतिशत सरचार्ज की छूट मिलेगी। योजना 15 दिसंबर से 31 जनवरी 2025 तक तीन चरणों में चलाई जाएगी। योजना शुरू होते ही बकायेदारों को सबसे पहले पंजीकरण कराना होगा।

विशेष रेलगाड़ियों के अतिरिक्त फेरों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विशेष रेलगाड़ियों के अतिरिक्त फेरों के संचालन का निर्णय लिया गया है। निम्नलिखित रेलगाड़ियाँ अपने पूर्व निर्धारित समय, दिन, संरचना, ठहराव एवं मार्ग पर चलेंगी, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी संख्या	स्टेशन से स्टेशन तक	संचालन का दिन	पूर्व अधि- सूचित तिथि	संचालन की विस्तारित तिथि
01921	पुणे-वीरांगना लक्ष्मीबाई (झांसी)	गुरूवार	28.11.2024	12.12.2024
01922	वीरांगना लक्ष्मीबाई (झांसी)-पुणे	बुधवार	27.11.2024	11.12.2024
04151	कानपुर सेंट्रल-लोकमान्य ति.(टर्मि.)	शुक्रवार	29.11.2024	13.12.2024
04152	लोकमान्य ति.(टर्मि.)-कानपुर सेंट्रल	शनिवार	30.11.2024	14.12.2024

नोटः ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाईन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR 2074/24(AS)

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना

E-Tender No.: PUPRYJ-DYCSTEPI-2-2024 Dated: 28.11.2024

भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से **उप मुख्य संकेत एवं दूरसंचार अभि./प्रोजेक्ट-I/ उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज** द्वारा ई-टेन्डर के द्वारा पर्याप्त वित्तीय क्षमता एवं अनुभव सहित प्रतिष्ठित ठेकेदारो/ज्वाइंट वेंचर फर्म से निम्नलिखित कार्य के लिये **एकल चरण दो पैकेट (खुला)** पर खुली निविदा, ई-निविदा में वर्णित खुलने के दिनांक को 15.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। यदि निविदा खुलने की तारीख पर अवकाश घोषित होता है या तकनीकी वजह से निविदा तय तिथि पर नही खुलती है तो निविदा अगले कार्य दिवस पर खोली जाएगी।

(1) कार्य का नामः पीसीएसटीई/एनसीआर के तहत विभिन्न परियोजनाओं के लिए परियोजना पर्यवेक्षण सेवाएं प्रदान करने के लिए परियोजना पर्यवेक्षण सेवा एजेंसी (पीएसएसए) की नियुक्ति। **(2) कार्य की अनुमानित लागतः** ₹ 59730592.08 (पाँच करोड़ सतानवे लाख तीस हजार पाँच सौ बानवे रूपये और शून्य आठ पैसे मात्र) **(3) कार्य पूरा करने की अवधिः** निर्माण अवधि के 24 महीने **(4) निविदा जमा करने की अन्तिम तारीख एवं समयः** By [11:00 hrs] (IST) on [<06.01.2025>] **(5) बोलीदाता द्वारा अपलोड किए गए सभी दस्तावेजों को भौतिक रूप से जमा करना/ प्रतिधारण करना/उत्पादन करनाः** खंड 2.2.1 और/या खंड 2.3 के अनुसार **(6) निविदा खुलने की तिथि एवं समयः** (11.00 बजे) (आईएसटी) पर (बोली देय तिथि) **(7) टेंडरिंग का तरीकाः** एकल चरण दो पैकेट (खुला) **(8) कंसोर्टियम/संयुक्त उद्यमः** 10 करोड़ से अधिक मूल्य की निविदाओं के लिए अनुमति **(9) बोलियां जमा करने का तरीकाः** ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर ऑनलाइन जमा करना **(10) निविदा प्रपत्रों की उपलब्धताः** www.ireps.gov.in **(11) आरएफपी दस्तावेज शुल्कः** (शून्य) **(12) धरोहर राशिः** ₹ 448700.00 (चार लाख अड़तालीस हजार सात सौ रूपये) **(13) महत्वपूर्ण अपडेट और जानकारी GOOGLE DRIVE LINK पर देखी जा सकती हैः** https://drive.google.com/drive/folders/1aHxmxtfYc23n9E7yUiNWcXM6Jak-dFeb **(14) बोली पूर्व बैठकः** Meeting Topic: VC regarding PSS NCRPU Pre Bid meeting. Meeting number: 25138127087, When: Wednesday, December 11, 2024 at 4.00 PM (3 hrs) India Standard Time GMT + 05.30 https://railnet1.webex.com/railnet1/j.php?MTID=m01229c650713f7522b63447d7c84bf7b, Password 12345

बिना धरोहर राशि के निविदायें निरस्त कर दी जायेंगी। निविदा प्रपत्र एवं अन्य विवरण रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखे जा सकते है। www.ireps.gov.in पर आमंत्रित किसी भी निविदा में भाग लेने के लिए इच्छुक निविदाकारों को www.ireps.gov.in पर पंजीकरण करना अनिवार्य है। विस्तृत विरण वेब साइट पर अवश्य देखें। निविदाकार उपरोक्त निविदा का धरोहर राशि केवल ऑनलाइन माध्यम से ही चुका सकते है। धरोहर राशि का भुगतान ऑन लाइन नेट बैंकिंग, डेबिट/क्रेडिट कार्ड इत्यादि माध्यम द्वारा किया जा सकता है। सावधि जमा रसीद को पर आमंत्रित निविदाओं की धरोहर राशि के रूप में स्वीकार नहीं किया जायेगा। 2064/24 FA

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

नगर आयुक्त ने आश्रय गृहों का निरीक्षण किया

प्रयागराज। नगर आयुक्त चंद्रमोहन गर्ग ने नगर में संचालित स्थायी, अस्थायी आश्रय गृहों का निरीक्षण किया। नुरुल्लाह रोड शेल्टर होम में रंगाई एवं पुताई का कार्य प्रगति पर पाया गया। बागम्बरी गद्दी रोड पर स्थित आश्रय गृह में बेबी केयर रूम, महिला वार्ड का निरीक्षण किया गया। आश्रय गृह के पीछे कूड़े का ढेर पाया गया जिसे सफाई किये जाने हेतु जोनल अधिकारी को निर्देशित किया गया। हैजा अस्पताल प्रथम में आश्रय गृह में साफ–सफाई अन्य व्यवस्थाओं हेतु अधिशासी अभियन्ता को निर्देशित करने एवं रगाई पुताई कराने के लिए निर्देशित किया गया। हैजा अस्पताल द्वितीय में आश्रय गृह की साफ सफाई, पर्दे आदि व्यवस्थाएं ठीक पायी गयीं। सिविल कार्य हेतु अवर अभियन्ता को निर्देशित किया गया। लीडर रोड शेल्टर होम में कार्यालय एवं गद्दे, चादरें आदि गन्दी पायी गयी, वाटर कूलर एवं आर० ओ० खराब अवस्था में पाया गया। पंखे तथा टी०वी० भी बन्द पाया गया। जिस पर नाराजगी व्यक्त करते हुए उक्त संस्था को कार्य मुक्त करने एवं आश्रय गृह के संचालन एवं प्रबन्धन का कार्य अन्य संस्था को दिये जाने के निर्देश दिये गयें। नगर आयुक्त द्वारा समस्त स्थायी एवं अस्थायी रैन बसेरों के संस्थाओं को धार्मिक किताबें, पेपर, बुक, बच्चों के लिए खिलौने आदि रखने एवं शेल्टर होम को साफ–सुथरा एवं अन्य व्यवस्थायें सुव्यवस्थित कराने हेतु अवर अभियन्ताओं को निर्देशित किया गया। साथ ही अवर अभियन्ताओं को शेल्टर होम में रंगाई–पुताई, निर्माण से सम्बन्धित समस्त कार्य 10 दिवस में पूर्ण किये जाने के निर्देश दिये गये इसके अतिरिक्त समस्त आश्रय गृहों में साफ–सुथरे गद्दे, चादर, तकिया, कम्बल आदि की समुचित व्यवस्था हेतु मुख्य अभियन्ता को निर्देशित किया गया। निरीक्षण के दौरान मुख्य अभियन्ता, जोनल अधिकारी, अधिशासी अभियन्ता, अवर अभियन्ता एवं संचालक सस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहें।

उत्तर मध्य रेलवे

टेण्डर संख्याः 230-वि/क0वि0/प्रयागराज/ई टेण्डर/2024/543 दिनांकः 29.11.2024

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता/क.वि./उ.म.रे./प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एंव उनकी ओर से निम्न कार्य हेतु ई निविदा आमंत्रित की जाती है। जिनका विवरण निम्न प्रकार है।

निविदा सं.: 230-क0वि0-कार्य ठेका-934-2024	**कार्य अवधिः** 03 वर्ष
कार्य का विवरणः प्रयागराज मंडल के टॉवर वैगनों के कमिंस मेक डीजल इंजनों के 'बी', 'सी' और 'डी' चेक और ब्रेकडाउन रखरखाव का तीन वर्ष की अवधि के लिए वार्षिक रखरखाव का कार्य	
अनुमानित लागतः ₹ 8,35,59,535.36	**बिड सुरक्षा राशिः** ₹ 567800.00
बोली प्रणालीः एक पैकेट	**निविदा बन्द होने की तिथि तथा समयः**23.12.2024, 14.00 बजे
निविदा खुलने की तिथि तथा समयः 23.12.2024, 15.00 बजे	
एलोकेशनः Revenue 07042232	**यूडब्लूआईडी नं0**

नोटः 1. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) बेवसाइट www.ireps.gov.in पर निविदा खोलने की तिथि से 21 दिन पहले से उपलब्ध होगा। 2.उपरोक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 2067/24(DG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

ई-टेन्डर नं0 पीआरवाइजे-सिग-034-2024-25

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से मंडल रेल प्रबन्धक / संकेत एवं दूरसंचार / उत्तर मध्य रेल प्रयागराज द्वारा **ई-टेन्डर** के द्वारा पर्याप्त वित्तीय क्षमता एवं अनुभव सहित प्रतिष्ठित ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य के लिये **खुली निविदा**, ई-निविदा में वर्णित खुलने के दिनांक को 12.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है । **कार्य का विवरण निम्न प्रकार है।**

निविदा नं. : 034	**अनुमानित मूल्य :** 3569788.80
कार्य का विवरण : प्रयागराज मण्डल के सुबेदारगंज (एसएफजी) स्टेशन पर लगे हुये वेस्टरेश-वीएलएम6,मार्क-।। (सीमेन्स मेक) इलेक्ट्रानिक इन्टरलॉकिंग सिस्टम का तीन वर्ष के लिये समग्र (कम्प्रेहेन्सिव) अनुरक्षण अनुबन्ध।	
धरोहर राशि : 71400/-	**निविदा प्रपत्र का मूल्य :** 0.00
कार्य समापन की अवधि : छत्तीस माह	**निविदा खुलने की तिथि :** 26.12.2024
निविदा प्रपत्रों की उपलब्धता : निविदा प्रपत्र www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।	
धरोहर की राशि जमा करना एवं उसका रूप : निविदाओं को उपरोक्त बिड सिक्यूरिटी निविदा प्रपत्र के साथ ऑनलाइन इंटरनेट बैंकिंग या ऑनलाइन भुगतान गेटवे द्वारा की जायेगी। यदि निविदा दाता बिड सिक्यूरिटी उपरोक्त के अतिरिक्त किसी अन्य रूप में जीसीसी के अनुसार जमा करते हैं तो उनका निविदा स्वीकार किया जायेगा । यदि निविदादाता द्वारा जमा की गयी बिड सिक्यूरिटी बैंक गारंटी के रूप में है तो यह उचित स्टांप शुल्क के अनुसार होना चाहिये। बैंक गारंटी जमा करते समय यह उ0प्र0 स्टांप अधिनियम 2008 की धारा 13 एवं 24 और समय-समय पर निधारित दर के अनुसार होना चाहिये। बिना बिड सिक्यूरिटी वाली निविदायें खारिज कर दी जायेंगी।	
निविदा खुलने का समय, तथा स्थान : निविदा पूर्व निर्धारित तिथि 12.30 बजे या उसके बाद ई-निविदा द्वारा मण्डल रेल प्रबंधक, प्रयागराज के कार्यालय में खोली जायेगी । अगर उस दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहे तो निविदा अगले दिन, कार्य दिवस पर खोली जायेगी।	
निविदा की वैधता : निविदा खुलने के 60 दिन तक।	
निविदा डीलिंग हेतु रेलवे के अधिकार : रेलवे प्रशासन का, किसी भी समय बिना कारण बताये कोई एक या सारी निविदाओं को स्थगित / संशोधित / निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है। 2066/24 (AS)	

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

निगम ने अवैध मार्केट हटवाया

प्रयागराज। नगर निगम ने ताशकन्द मार्ग स्थित दृष्टि कोचिंग चौराहा पर अवैध मार्केट को हटवाया, पीडी टण्डन रोड, ताशकन्द मार्ग चौराहा,

कूपर रोड चन्द्रशेखर आजाद पार्क गेट नंबर एक तक अपनी टीम व स्थानीय पुलिस बल द्वारा अतिक्रमण अभियान चलाया। अतिक्रमण से पहले व अतिक्रमण के हटाने के बाद की फोटोग्राफी करायी गयी। तथा दोनों तरफ की पटरियों साफ करायी। साथ कुल जुर्माना रूपये (42.001) का शमन शुल्क वसूला। अतिक्रमण हटाने में थाना सिविल लाइन्स, थाना–कर्नलगंज का सहयोग रहा। तथा इस सम्बन्ध में सम्बन्धित थाने को अवगत करा दिया गया है कि शासनादेशानुसार उक्त स्थल पर पुनः अतिक्रमण न हो इसकी जिम्मेदारी सम्बन्धित थाने की है।

संभल हिंसा से देश को झुलसाने की थी साजिश : साक्षी महाराज

प्रयागराज। महाकुंभ की तैयारियों के बीच सोमवार को संगम पहुंचे भाजपा सांसद साक्षी महाराज ने कहा कि संभल हिंसा सुनियोजित षड्यंत्र का हिस्सा है। यह पूरे देश से झुलसाने की साजिश थी। संभल की सड़कों पर बिखरे ईंट–पत्थर पुलिस के जवान जेबों में भरकर नहीं लाए थे, वह पत्थर मुस्लिम महिलाओं और युवाओं ने छतों से बरसाए थे। भाजपा सांसद ने कहा, मुसलमान परिवारों के युवा हाथों में तमंचा लहराते घूम रहे थे। इसकी निष्पक्ष जांच कराई जा रही है, सब दूध का दूध पानी का पानी हो जाएगी। निर्मल अखाड़े के अतिथिगृह में अमर उजाला से बातचीत में साक्षी महाराज ने आशंका जताई कि संभल हिंसा जैसी घटनाएं पूरे देश में हो सकती हैं। इसको लेकर केंद्र और प्रदेश की सरकारों को सजग हो जाना चाहिए। घटना के पीछे विदेशी ताकतों का भी हाथ हो सकता है। महाकुंभ में निर्मल अखाड़े के भूमि पूजन में आए सांसद साक्षी महाराज ने मुस्लिमों की तेजी से बढ़ी आबादी पर चिंता जताई। उन्होंने 'हम दो हमारे दो–उनके भी दो' का नारा दिया। कहा कि सुप्रीम कोर्ट बढ़ती आबादी पर चिंता जता चुका है। जनसंख्या नियंत्रण के लिए सख्त कानून बनना चाहिए, जो सब पर लागू हो। साक्षी महाराज ने कहा कि एक बार मैंने हम दो हमारे चार का नारा दिया था। फार्मूला दिया था कि एक मुझे, एक संघ को , एक माता–पिता की सेवा के लिए और एक को सीमा पर भेज दो। लेकिन, तब मेरे उस बयान पर विवाद खड़ा हो गया था। इसीलिए अब जनसंख्या नियंत्रण के लिए उनके भी दो का नया नारा दिया है।साक्षी महाराज ने कहा कि देश में समान नागरिक आचार संहिता जितनी जल्दी हो लागू कर दी जानी चाहिए।

सेवानिवृत्ति लाभों के लिए अदालत का चक्कर क्यों लगा रहे कर्मचारी: हाईकोर्ट

प्रयागराज।सेवानिवृत्ति लाभों व वेतन बकाये की अदायगी को लेकर लंबित मुकदमों से नाराज इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रमुख सचिव वित्त को व्यक्तिगत हलफनामे संग तलब किया है। पूछा है कि सेवानिवृत्ति के बाद वेतन और सेवानिवृत्ति लाभों के लिए अदालत के सहारे रह रहे कर्मचारियों के विवादों के निस्तारण के लिए प्रदेश सरकार क्या कदम उठा रही है। यह आदेश न्यायमूर्ति अजय भनोट की अदालत ने हाथरस के जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय से सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) के पद से सेवानिवृत्त उदय प्रताप सिंह की ओर से दाखिल याचिका पर दिया है। 21 अगस्त 2023 को सेवानिवृत याची ने जीपीएफ व अन्य बकाये के भुगतान की मांग को लेकर हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। कोर्ट ने पंचायती राज विभाग के निदेशक से हलफनामा तलब कर 23 अक्तूबर तक भुगतान नहीं करने का कारण पूछा था। लेकिन, अब तक हलफनामा दाखिल नहीं हुआ। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पाया कि सेवानिवृत्त होने के बाद विभागीय गलती से ऐसे कई कर्मचारी अदालत का दरवाजा खटखटाने के लिए मजबूर हैं। बड़ी संख्या में उनकी याचिकाएं लंबित हैं। कोर्ट ने प्रमुख सचिव वित्त को छह फरवरी तक अदालत में पेश होने का आदेश दिया है। कहा है कि व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल कर बताएं कि सेवानिवृत्ति के बाद वेतन और अन्य वित्तीय लाभों को लेकर उठे विवादों के निस्तारण के लिए सरकार क्या कदम उठा रही है।

मौसम ने ली करवट, ठंड बढ़ने के साथ छाने लगा कोहरा

प्रयागराज। दिसंबर शुरू होती ही गुलाबी ठंड गायब हो गयी है। दिन और रात के तापमान मे लगभग ढाई गुना अधिक अंतर होने के कारण गलन शुरू हो गई है। मौसम में हुए बदलाव के कारण रात के तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। मौसम विभाग के अनुसार सुबह–शाम कोहरा छाया रहेगा। सोमवार को दिन का तापमान 29.4 डिग्री सेल्सियस और रात का अधिकत तापमान 11.4 डिग्री सेल्सियस रहा। जबकि रविवार को दिन का तापमान 27.8 डिग्री सेल्सियस और रात का तापमान 11.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। ठंड के बढ़ते हुए प्रभाव को देखते हुए नगर निगम की ओर से रैन बसेरों का संचालन शुरू कर दिया है। हालांकि रैन बसरों के बारे में लोगों को जानकारी न होने के कारण ठंड में डिवाइडर व चौराहों पर ही लोग रात गुजारने के लिए मजबूर हैं।

कुंभ में तस्करी के लिए जा रही चरस की खेप बरामद, एक दबोचा

हरिद्वार । प्रयागराज में होने जा रहे कुंभ मेले में तस्करी के लिए ले जाई जा रही चरस की खेप बरामद कर सिडकुल पुलिस ने एक आरोपी को दबोचा है। आरोपी के कब्जे से चार किलो 164 ग्राम चरस बरामद हुई है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस ऐक्ट में मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेज दिया गया। एसपी सिटी पंकज गैरोला ने बताया कि सोमवार की देररात पुलिस को सूचना मिली की चरस की खेप ले जाई जा रही है। बताया कि नारकोटिक सेल के प्रभीर विजय सिंह, एसआई रंजीत तोमर और महिला एसआई मनीषा नेगी की अगुवाई में टीम ने डैंसो चौक के पास घेराबंदी कर एक आरोपी को पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से चरस की खेप बरामद हुई।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेल: amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062